राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 14, अंक 300 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, सोमवार 08 सितंबर 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

मोदी और नायब सरकार की नीतियों व योजनाओं का हर वर्ग को मिल रहा है लाभ : बड़ौली

सिरसा (एजेंसी)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भाजपा का सेवा पखवाड़ा जनसेवा का पर्व है। भाजपा के कर्मठ कार्यकर्ता सेवा पखवाड़ा के जरिए लोगों के दिलों से जुड़ेंगे और पार्टी की नीतियों, उपलब्धियों और योजनाओं पर चर्चा करेंगे। बड़ौली ने कहा कि भाजपा का लक्ष्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। इस दौरान भाजपा के कार्यकर्ता लोगों को मोदी और नायब सरकार की योजनाओं से जोड़ने का माध्यम भी बनेंगे।

ये बातें बड़ौली ने शनिवार को सिरसा स्थित भाजपा कार्यालय सरसाई कमल में कार्यशाला को संबोधित करते हुए कही। इस मौके पर संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, जिलाध्यक्ष यतींद्र सिंह एडवोकेट, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, पूर्व विधायक मक्खन लाल सिंगला व अमीरचंद मेहता मौजूद रहे।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक सेवा पखवाड़ा के दौरान दर्जन भर कार्यक्रम होंगे।

घग्गर नदी का जल स्त 750 फीट के खतरे के निशान के पार

पंजाब में बाढ़ से 2,000 गांव और 4 लाख से अधिक नागरिक प्रभावित; 14 जिलों में 43 मौतें हुईं

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने आज यहां राज्य में बाढ़ की स्थिति का गंभीर मूल्यांकन किया, जिसे उन्होंने पिछले पांच दशकों की सबसे भयानक बाढ़ बताया। उन्होंने कहा कि पंजाब और पड़ोसी पहाड़ी राज्यों में लगातार हो रही बारिश ने व्यापक तबाही मचाई है, जिससे लगभग 2,000 गांव प्रभावित हुए हैं।

इस संकट ने 4,00,000 से अधिक नागरिकों को प्रभावित किया है, जबकि 14 जिलों में 43 मौतें हुई हैं। राज्य की अर्थव्यवस्था का आधार माने जाने वाले कृषि क्षेत्र को भी भारी नुकसान हुआ है, जिसमें 18 जिलों में 1.72 लाख

हेक्टेयर कृषि भूमि को नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा, बुनियादी ढांचे, घरों और पशुओं को भी गंभीर क्षति पहुंची है। घग्गर नदी का जल स्तर भी 750 फीट के खतरे के निशान को पार कर गया है।

वित्त मंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार ने इस अप्रत्याशित बाढ़ संकट का तुरंत और सहानुभूति के साथ जवाब दिया है। उन्होंने भाजपा-नीत केंद्र सरकार से जवाबदेही और सहायता की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि इस संकट का राजनीतिक फायदा उठाने के बजाय साझा प्रयासों की जरूरत है।

आज पंजाब भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि तबाही के इस स्तर के बावजूद पंजाब सरकार ने तुरंत और तालमेल वाली नीति के तहत राहत कार्य शुरू किए। उन्होंने बताया कि 22,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया है। राज्यभर में लगभग 200 राहत शिविर स्थापित किए गए हैं, जहाँ 7,000 से अधिक प्रभावित लोगों को राहत दी गयी है। बचाव और राहत कार्यों के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की 24 टीमें और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की 2 टीमें तैनात की गई हैं, जिन्हें 144 नावें और एक सरकारी हेलीकॉप्टर भी उपलब्ध कराया गया है।

वित्त मंत्री चीमा ने कहा, मुख्यमंत्री, वरिष्ठ पार्टी नेता, कैबिनेट मंत्री, सांसद, विधायक और पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर सक्रिय रूप से नागरिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहे हैं। पूरा सरकारी तंत्र, ग्राम पंचायतें और गैर-सरकारी संगठन प्रभावित लोगों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं। वित्त मंत्री ने यह भी बताया कि राजस्व विभाग ने राहत कार्यों के लिए 71 करोड़ रुपये जारी किए हैं। उन्होंने आगे कहा, एकजुटता दिखाते हुए पूरी कैबिनेट और सभी विधायकों ने मुख्यमंत्री राहत कोष में एक महीने के वेतन का योगदान दिया है। इसके अलावा, लोकसभा और राज्यसभा में पंजाब से आम आदमी पार्टी के सांसद अपने सांसद निधि का अधिकतम उपयोग बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए कर रहे हैं। हमारे आबकारी और कराधान विभाग ने भी इस नेक कार्य के लिए 50 लाख रुपये का योगदान दिया है।

झारखंड में इस वर्ष 24 नक्सली ढेर, मार्च 2026 तक राज्य को नक्सलमुक्त करने का लक्ष्य

रांची (एजेंसी)। झारखंड को मार्च 2026 तक नक्सल मुक्त करने के लक्ष्य के साथ चलाए जा रहे अभियान में पुलिस और सुरक्षा बलों ने इस वर्ष जनवरी से लेकर अब तक कुल 24 नक्सलियों को मार गिराया है।

ताजा कार्रवाई रविवार को पश्चिमी सिंहभूम जिले के गोइलकेरा थाना क्षेत्र के बुर्जुवा पहाड़ी पर हुई, जहां पुलिस और सुरक्षा बलों ने दस लाख के इनामी नक्सली अमित हांसदा उर्फ अपटन को ढेर कर दिया। बोकारो जिले के ढोडी गांव का रहने वाला अमित 60 से अधिक नक्सली वारदातों में वांटेड था। पुलिस ने इस साल मार्च में उसके घर पर इश्तेहार चस्पा कर सरेंडर की चेतावनी दी थी। लेकिन, उसने हथियार डालने के बजाय संगठन की गतिविधियों को और तेज कर दिया था। वह कम से कम बीस बार मुठभेड़ों से बच निकला था। झारखंड पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, राज्य में हर महीने औसतन तीन नक्सली मुठभेड़ में मारे जा रहे हैं। पुलिस का अनुमान है कि वर्तमान में राज्य में 100 से 150 माओवादी सक्रिय हैं। फिलहाल, 58 नक्सली इनामी सूची में हैं, जिन पर कुल 5 करोड़ 46 लाख रुपए का इनाम घोषित है।

झारखंड पुलिस की मोस्ट वांटेड सूची में भाकपा माओवादी के 13 बड़े नक्सली हैं, जिनमें मिसिर बेसरा, पतिराम मांझी और असीम मंडल पर एक-एक करोड़ का इनाम है। इनके अलावा अनमोल, मोछु, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन, पिंटू लोहरा, चंदन लोहरा, जयकांत और रापा मुंडा भी सूची में शामिल हैं।

इस साल नक्सलियों के खिलाफ सबसे बड़ी मुठभेड़ 21 अप्रैल को हुई थी, जब बोकारो जिले के लुगु पहाड़ पर एक करोड़ के इनामी प्रयाग मांझी उर्फ विवेक सहित आठ माओवादी मारे गए थे। इसके बाद 16 जुलाई को पुलिस ने बोकारो में 25 लाख के इनामी कुंवर मांझी समेत दो नक्सलियों को मार गिराया था। 5 अगस्त को गुमला में पीएलएफआई संगठन के कमांडर और 15 लाख के इनामी मार्टिन केरकेट्टा को सुरक्षाबलों ने मार गिराया। 24 मई को लातेहार में हुई मुठभेड़ में जेजेएमपी सुप्रीमो और दस लाख के इनामी पप्पू लोहरा तथा पांच लाख के इनामी प्रभात गंझू मारे गए थे।

कांग्रेस ने सम्राट अशोक का किया अपमान, तेजस्वी गठबंधन से अलग हों, गिरिराज सिंह का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर देश को अपमानित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर देश राहुल गांधी के इशारे पर चलेगा, तो बर्बाद हो जाएगा। राहुल गांधी विदेश जाकर देश का अपमान करते हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने रविवार को कहा, मैं राहुल गांधी, तेजस्वी और लालू यादव से पूछना चाहता हूं कि आखिर वे बिहार को कितनी बार अपमानित करेंगे? एसआईआर को लेकर सीएम स्टालिन से अभद्र टिप्पणी करवाई गई। सीएम रेवंत रेड्डी ने बिहार के डीएनए पर सवाल उठाए और राहुल गांधी ने कश्मीर में क्या करवा दिया? कश्मीर में राहुल गांधी और फारुक अब्दुल्ला की सरकार है। भारत का अशोक स्तंभ सिर्फ बिहार के सम्राट अशोक का स्तंभ नहीं है। इसे संविधान और पूरे देश ने अपनाया है।

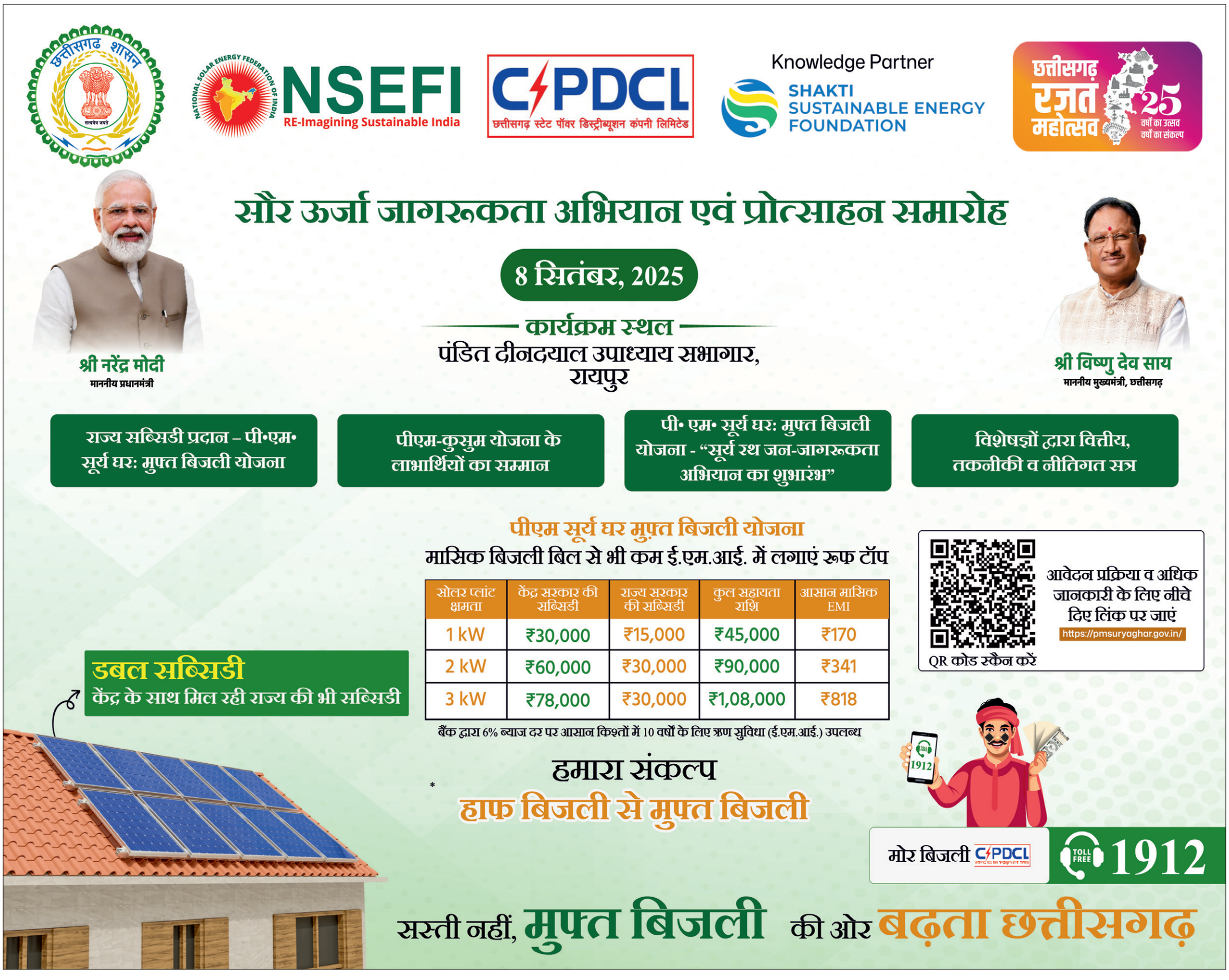

संक्षिप्त समाचार

सरस्वती शिशु मंदिर में संकुल स्तरीय खेलकूद का आयोजन

पाटन (समय दर्शन)। संकुल स्तरीय खेल-कूद एव संस्कृति महोत्सव सरस्वती शिशु मंदिर अम्लेश्वरडीह मे सम्पन्न हुआ। जिसमे ध्रुव वर्ग,प्रह्लादवर्ग, बालवर्ग के बच्चे उत्साहपूर्ण भाग लिए।

उद्घाटन सत्र मे ओमप्रकाश साहू उपाध्यक्ष नगर पालिका अमलेश्वर,पंकज साहू अध्यक्ष, ,मुंकुद साहू सदस्य,भवानी साहू,संकुल प्रमुख चेलाराम साहू,खेल प्रमुख देवनारायण साहू,हेमलता साहू प्रधानाचार्य, एव तरीघाट, बठेना,पाटन, उतई,सेलूद, मंचादूर, पाहदा, अमलेश्वर डीह विद्यालय से 250 भैया बहन संरक्षक आचार्य उपस्थित होकर भाग लिए।

समापन सत्र मे जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र सिन्हा,जिला समन्वयक शत्रुहन देवागन,द्वारा बच्चो को पुरूस्कार वितरण किया गया।सरस्वती शिशु मंदिर तरीघाट के 34 भैया बहन भाग लिए जिसमे 31 भैया बहन विजेता रहे। विजेता भैया बहन अब आगे जिला,प्रांत,क्षेत्र स्तर पर भाग लेगे।

डिप्टी सीएम अरुण साव का जांजगीर मे भाजपा कार्यकर्ताओ ने किया स्वागत

चांपा (समय दर्शन)। रायगढ़ जिले के विभिन्न कार्यक्रमो से लौटते वक्त प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव का जांजगीर मे भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओ ने वरिष्ठ भाजपा नेता प्रशांत सिंह ठाकुर के नेतृत्व मे भव्य स्वागत किया इस दौरान उन्होंने उपस्थित जिले के प्रशासनिक अधिकारियो से जिले मे चल रही प्रशासनिक गतिविधियो की चर्चा की इस दौरान युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष जितेंद्र देवांगन जिला उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल अभिमन्यु राठौर राहुल सेन राकेश राठौर अंकित बसईवाल राकेश राठौर सूर्यप्रताप सिंह जतिन देवांगन सिद्धार्थ राठौर सूरज यादव, सुमित यादव आकाश यादव, राजेश देवांगन सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कोरबा पुलिस में शोक : निरीक्षक मंजूषा पांडेय का कैंसर से निधन

कोरबा। 2008 बैच की महिला पुलिस निरीक्षक मंजूषा पांडे का रायपुर में इलाज के दौरान शनिवार को निधन हो गया। वे लंबे समय से कैंसर रोग से जूझ रही थी। बालको कोरबा में टीआई रहते हुए मंजूषा पांडे ने कई उल्लेखनीय कार्य किए थे।

हरदीबाजार कोरबा के थाना प्रभारी मृत्युंजय पांडे की धर्मपत्नी मंजूषा पांडे के निधन की खबर से उनके शुभचिंतकों, परिजनों, मित्रो, पुलिस विभाग सहित अंचल में शोक व्याप्त है।

मंजूषा ने बालको थाना प्रभारी के रूप में अपनी प्रशासनिक क्षमता का परिचय दिया। उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि कोरबा के जिला मेडिकल कॉलेज से एक दुधमुंहे बच्चे के अपहरण मामले को सुलझाना था। उनकी तत्परता से बच्चा सकुशल बरामद हुआ था। इस सफल ऑपरेशन के बाद वे कोरबा में लोकप्रिय अधिकारी बन गईं।

छत्तीसगढ़ के कृषि अधिकारी जाएंगे हड़ताल पर, चरणबद्ध आंदोलन करेंगे

पाटन (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ कृषि स्नातक शासकीय कृषि अधिकारी संघ द्वारा शासन को पत्र प्रेषित कर हड़ताल में जाने की पूर्व सूचना दी है!

पूरे छत्तीसगढ़ में कार्यरत ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी एवं कृषि विकास अधिकारी अपनी नौ सूत्रीय लंबित मांगों की पूर्ति हेतु अब लामबंद होकर शासन का विरोध प्रदर्शन करेंगे!

संघ के प्रांत अध्यक्ष लिखेश वर्मा जी ने बताया कि विगत कई वर्षों से लगातार शासन प्रशासन से अपनी विभिन्न मांगों को पूरा करने हेतु ज्ञापन दिया जाता रहा है परंतु मांगें पूरी नहीं की जा रही है जिस कारण कृषि विभाग में कार्यरत सभी ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी एवं कृषि विकास अधिकारियों में अत्यधिक रोष व्याप्त है!

विगत दिनों आयोजित प्रान्त की बैठक में सभी जिला अध्यक्षों एवं सदस्यों द्वारा मांगों की पूर्ति हेतु चरणबद्ध आंदोलन करने का प्रस्ताव पारित किया गया है!

चरणबद्ध आंदोलन 8 सितंबर से 23 सितंबर तक पूरे छत्तीसगढ़ में होगा जिसमें 8 एवं 9 सितंबर को काली पट्टी लगाकर कार्य करेंगे, दूसरे चरण में 15 सितंबर को भोजन अवकाश में सभी जिला विकासखंड एवं तहसील स्तर पर माननीय मुख्यमंत्री जी एवं माननीय कृषि मंत्री जी को एसडीएम/ तहसीलदार/ कलेक्टर के माध्यम से मांगों की पूर्ति हेतु ज्ञापन सौंपा जाएगा साथ ही 15 सितंबर से ही सभी ऑनलाइन कार्य नहीं किए जाएंगे, तीसरे चरण में 23 सितंबर को एक दिवसीय धरना प्रदर्शन हर जिला में आयोजित होंगे तथा उसी दिन रैली निकालकर कलेक्टर के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी एवं माननीय कृषि मंत्री जी को ज्ञापन सौंपा जाएगा!

प्रांतीय उपाध्यक्ष निशांत मिश्रा, रथींद्र बनर्जी, संतोष ओहदार जी ने बताया कि 9 सूत्रीय लंबित मांगों में: वेतनमान संशोधन 4300 ग्रेड पे, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी एवं कृषि विकास अधिकारियों के कार्यक्षेत्र का पुनर्निर्धारण, मासिक स्थाई भत्ता में वृद्धि कर ?2500 प्रति माह करना,

विभागीय कार्य संपादन के लिए मोबाइल इंटरनेट कंप्यूटर प्रिंटर स्टेशनरी इत्यादि के लिए संसाधन भत्ता,

विभागीय अमले की कमी के कारण अतिरिक्त प्रभार दिए जाने की स्थिति में सामानजनक अतिरिक्त क्षेत्रीय भत्ता, मध्यप्रदेश शासन की तर्ज पर ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी पद नाम के कृषि विस्तार अधिकारी करना, कृषि आदान सामग्री लैंपसों में भंडारण करने एवं डीपीटी प्रणाली लागू करने, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी पद में पदोन्नती पुन प्रारंभ करने, गैर विभागीय कार्यों जैसे फसल गिरदावरी, डिजिटल क्रॉप सर्वे, सड़कों को मवेशी मुक्त करने गठित दल, ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम पंचायत नोडल अधिकारी, धान उपार्जन केंद्र प्रभारी अधिकारी, ट्रस्टेड पर्सन, नोडल अधिकारी, नाका जांच प्रभारी, निगरानी समिति, नियत नेल्लानार, परीक्षा केंद्रों में पर्यवेक्षक, आब्जर्वर कार्य, बस्तर पाण्डुम, आँगनबाड़ी निरीक्षण, पूरक पोषण अहार, पीएम आवास सर्वे, पीएम आवास नोडल अधिकारी, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, आयुष्मान कार्ड वंदन, एग्री स्टेक इत्यादि में ड्यूटी नहीं लगाया जाना शामिल हैं। प्रांतीय महामंत्री मोहित जैन एवं दीपक पटेल जी का कहना है कि हमारे संघ द्वारा पूर्व में प्रांत स्तरीय ही प्रदर्शन किए गए है. जिस कारण मैदानी सर की समस्याओं का समाधान नहीं हो पाता था।

गुरुघासीदास मेला समिति गढ़फुलझर का बैठक सम्पन्न

बसना(समय दर्शन)। महासमुंद जिला अंतर्गत गुरु घासीदास सेवा संस्थान के माध्यम से आज गुरुघासीदास संत समागम मेला समिति गढ़फुलझर का समीक्षा बैठक राजमहन्त पी एल कोसरिया,दौलत रात्रे,लखन कुर्रे के आतिथ्य में समिति के संरक्षक द्वय खोलबाहरा निराला एवं अभय धृतलहरे के संयोजकत्व मे सम्पन्न हुआ ।

इस दौरान संरक्षक अभय धृतलहरे ने उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए मेला समिति द्वारा किये गये रचनात्मक कार्यों की जानकारी प्रदान करते हुए आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा समाज के पटल पर रखा एवं समाज की उत्तरोत्तर विकास पर सतत कार्य करने सभा को प्रेरित किया ।बैठक को संबोधित करते हुए राजमहंत पी एल कोसरिया, समाज प्रमुख दौलत रात्रे, लखन कुर्रे ने सामाज की रचनात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। आगामी गुरुपर्व 1 दिसम्बर दिसम्बर2025 की तैयारी व विगत वर्षों के आयोजन में हुई कमियां को दूर करने ब्यापक चर्चा किया गया। आय ब्यय की जानकारी दिया गया ,मेला समिति को शासन द्वारा आबंटित 0.13 हेक्टेयर भूमि को गुरुघासीदास मेला समिति गढ़फुलझर के नाम करने शासकीय प्रक्रिया पुर्ण करने चर्चा परिचर्चा किया गया। बैठक में मेला समिति के अध्यक्ष मिलाप निराला, सचिव हेमंत मिरी,एल एस कोसरिया, पुनीत खुटे, रामप्रसाद ओगरे, संत ऋषुदास, लाभों दास, गोपालदास,रामप्रसाद ओगरे ,रोशन भास्कर ,मोती दास,सहित मेला समिति के प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे।

राधाकृष्ण शिक्षा समिति में शिक्षक दिवस पर पुस्तक तुम अपने हो का विमोचन

नवागढ़ (समय दर्शन)। शिक्षक दिवस के अवसर पर राधाकृष्ण शिक्षा समिति में एक विशेष आयोजन किया गया, जिसमें संस्था के प्राचार्य डॉ. त्रित्विज तिवारी की प्रथम कृति तुम अपने हो का भव्य विमोचन हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संस्था के डायरेक्टर डॉ. श्री विनोद अग्रवाल एवं डायरेक्टर मैडम डॉ. श्रीमती अन्नपूर्णा अग्रवाल उपस्थित रहे। इस अवसर पर समस्त शिक्षा संकाय के शिक्षकगण और विद्यार्थी भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

पुस्तक विमोचन के दौरान वक्ताओं ने प्राचार्य डॉ. तिवारी की साहित्यिक प्रतिभा और उनकी रचनात्मक दृष्टि की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक न केवल साहित्य प्रेमियों के लिए एक विशेष उपहार है बल्कि विद्यार्थियों और समाज के लिए भी प्रेरणादायी साबित होगी।

शिक्षक दिवस जैसे पावन अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम संस्था के लिए ऐतिहासिक रहा। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन करते हुए प्राचार्य डॉ. तिवारी ने कहा कि यह पुस्तक उनके जीवन और अनुभवों की झलक है, जिसे वे समाज और विद्यार्थियों के साथ साझा करना चाहते हैं।

उक्त कृति समस्त ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से घर-घर चमक रही रोशनी

धमतरी के दीपक जैन की छत पर सूरज बना समृद्धि का स्रोत

धमतरी (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव दिखाई देने लगे हैं। यह महत्वाकांक्षी योजना न केवल बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है, बल्कि लोगों को आर्थिक रूप से भी मजबूत बना रही है। धमतरी शहर के प्रख्यात कारोबारी श्री दीपक जैन इस योजना का प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। उन्होंने बताया कि पहले उनके घर का बिजली बिल प्रतिमाह 10 से 15 हजार रुपये तक आता था। रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाने के बाद अब यह घटकर मात्र 3 से 4 हजार रुपये रह गया है। इससे उन्हें हर महीने 10 हजार रुपये से अधिक की सीधी बचत हो रही है। यह बचत उनके परिवार के भविष्य को सुरक्षित करने और अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायक सिद्ध हो रही है।

श्री जैन ने जानकारी दी कि उन्हें प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना की जानकारी समाचार पत्रों के माध्यम से मिली। तत्पश्चात उन्होंने त्वरित निर्णय लेते हुए अपने घर की छत पर 5 किलोवॉट का सौर ऊर्जा सिस्टम स्थापित कराया। इस पर केंद्र सरकार से उन्हें 78 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई है तथा राज्य सरकार की ओर से मिलने वाली 30 हजार रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी भी शीघ्र प्राप्त होने वाली है। इस प्रकार योजनाओं का समन्वित लाभ उन्हें वास्तविक रूप से महसूस हो रहा है।

उन्होंने कहा कि यह योजना न केवल उनके घर की ऊर्जा जरूरतों को पूरा कर रही है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर भी बना रही है। अब वे केवल बिजली उपभोक्ता ही नहीं, बल्कि उत्पादक भी बन गए हैं। भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में भेजकर वे और भी लाभ कमा सकते हैं। श्री जैन ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार जताते हुए कहा कि इस योजना ने आमजन के जीवन में खुशहाली लाने का कार्य किया है। यह पहल वास्तव में ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। उन्होंने जिले के अन्य उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे भी इस महत्वाकांक्षी योजना से जुड़ें। इससे न केवल उनकी बिजली की जरूरतें पूरी होंगी, बल्कि दीर्घकालीन आर्थिक लाभ भी सुनिश्चित होगा। श्री जैन का अनुभव यह साबित करता है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना आने वाले समय में पूरे समाज को आत्मनिर्भर, पर्यावरण-सुरक्षित और ऊर्जा सम्पन्न बनाने का माध्यम बनेगी। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा स्वयं इसकी उपलब्धियों के लिए जिले में शिविर आयोजित कराकर आम जन को लगाने हेतु जागरूक करा रहे है ।

जिले में धमतरी में बीते माह शिविर आयोजित किए गए, जिनमें 56 पंजीकरण किए गए। 139 प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के तहत स्थापना की गईं।

पांच जोन के 435 बच्चों ने दिखाए दम

राज्य स्तरीय शालेय भारत्तोलन फेंसिंग स्पर्धा का समापन

पाटन में केबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने विजेताओं को दी बधाई

पाटन (समय दर्शन)। 25 वी शालेय राज्य भारोत्तोलन और फैंसिंग प्रतियोगिता का समापन समारोह स्वामी आत्मानंद सभा हाल परिसर पाटन जिला दुर्ग में मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव की उपस्थित में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक ललित चंद्राकर ने किया। विशेष रूप से अन्य अतिथि मौजूद रहे। अतिथियों का स्वागत एसडीएम पाटन सहित शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा किया गया। बच्चों के द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई।

मुख्य अतिथि मंत्री श्री यादव ने कहा कि खेल जीवन में बहुत जरूरी है। विशेषकर आज के दौर में तो बहुत जरूरी है खेल स्पर्धा। हमारे शरीर के मानसिक , बौद्धिक विकास के लिए मेहनत जरूरी है। खेल इसके लिए श्रेष्ठ माध्यम है। देश के पीएम मोदी जी ने खेलो इंडिया अभियान चलाया है। खेल प्रतियोगिता होता है तो स्वाभाविक रूप से कंपीटिशन का भाव आता है और ललक बनी रहती है। उन्होंने विजेताओं को बधाई दिया और जो विजेता नहीं हुआ उसे यहां तक आने में हिम्मत दिखाई उसके लिए उन्होंने बच्चों को बधाई दिया। बच्चे काफी मेहनत करते है। एक चींटी से भी हमें प्रेरणा लेनी चाहिए जो कि अपने क्षमता से अधिक भार का वहन करती हैं । बस्तर के मलखम को भी उन्होंने अपने संबोधन में शामिल किया। दुर्ग जिला के कोच नारायणपूर जाएंगे और सीखकर आयेंगे जिससे कि हमारे यहां के बच्चे भी मलखम में नाम रोशन करे। पढ़ाई के साथ साथ शारीरिक दक्षता में भी बच्चों के लिए आवश्यक है। संयुक्त संचालक हेमंत उपाध्याय ने स्वागत और आयोजन का प्रतिवेदन पठन किया। कार्यक्रम का संचालन मोहित शर्मा ने किया।

कार्यक्रम के अंत में विजेता बच्चों की सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष कीर्ति नायक, नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले, जिला पंचायत सभापति नीलम चंद्राकर, कल्पना साहू, निशा सोनी, रागिनी बंछोर, राजेश चंद्राकर, लोक मणि चंद्राकर, लालेश्वर साहू, खेमलाल साहू, जनपद उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा, सरपंच अध्यक्ष विनय चंद्राकर, केवल देवांगन, नेहा बाबा वर्मा, एस डी एम लव केश ध्रुव, राजू साहू, डोनेश्वर साहू, नारद साहू उपस्थित रहे।

स्टेशनपारा बालाजी मंदिर में शेड निर्माण का भूमिपूजन, कार्य भी हुआ शुरू

राजनांदगांव (समय दर्शन)। स्टेशनपारा वार्ड नंबर 11 स्थित बालाजी मंदिर परिसर में शेड निर्माण कार्य की शुरुआत विधिवत भूमिपूजन के साथ की गई। विशेष बात यह रही कि भूमिपूजन के तत्काल बाद ही निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया गया।

इस मौके पर पूर्व महापौर हेमा देशमुख, पूर्व युवा आयोग अध्यक्ष जितेन्द्र मुदलियार, प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता रूपेश दुबे और शहर उत्तर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आसिफअली मौजूद रहे। पार्षद छोटेलाल रामटेके और मंदिर समिति के संयुक्त प्रयास से यह कार्य प्रारंभ हुआ ह।

भूमिपूजन कार्यक्रम में जय मुदलियार, श्रीकांत मुदलियार, श्रीनिवासराव, योगेश मुदलियार,ए विशाल गढ़े, मिलिंद रेड्डी, शरद यादव, घनश्याम विश्वकर्मा, देवेन्द्र साहू, इंद्राणी यादव, देवकी यादव, रूबी साहू, लता यादव, चंद्र साहू, गायत्री साहू, किरण साहू, जितेन्द्र साहू, बाबा यादव समेत वार्ड के अनेक नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्यजनों ने निर्माण कार्य के शीघ्र पूर्ण होने की कामना की और सहयोग का आश्वासन भी दिया।

21 वर्षीय सरोज बेटी को न्याय दिलाने के लिए उतरे सामाजिक संस्था

राजनांदगांव (समय दर्शन)। इलाज में लापरवाही बरतने पर हिंदू जागरण मंच, जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी, छत्तीसगढ़ क्रांति सेना जीवनदान सेवा संस्था के महेंद्र जंघेल एवं हरीश भानुशाली परिजन के साथ मृत महिला के शव को लेकर कृष्णा हॉस्पिटल पहुंचे। परिजन पहले ही सभी संस्थाओ को लिखित आवेदन देकर उचित न्याय के लिए मदद की गुहार लगाई। परिजनों ने पूरे फ्रफके साथ संस्था के पास पहुंचे थे। परिजनों ने बताया 30-31 की रात को 2 बजे कृष्णा हॉस्पिटल पहुंचे थे।ज परिजनों ने ऑपरेशन ना कराकर दूसरे कहीं ओर हॉस्पिटल ले जाने की बात कही, तो कृष्णा हॉस्पिटल के दुबे ने केश को बहुत क्रिटिकल बताया और ऑपरेशन करना होगा बताकर कोरे पन्ने पर मृत महिला के पति से साईन करवाया एवं 80 हजार में इलाज का पूरा कंप्लीट चार्ज बताया। महिला का इलाज लगभग दिन के 12-1 बजे के आसपास ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के 15 से 20 मिनट के अंदर ही मरीज के स्थिति ज्यादा खराब होते देखकर हार्ट का प्रॉब्लम है, कहाकर जल्द से जल्द रेफर कर दिए। वेंटिलेटर एंबुलेंस बुलाकर एवं 80 हजार की जगह में मात्र 50 हजार लेकर हम लोग की तरफ से 30 हजार डिस्काउंट कर रहे हैं कहकर जल्द से जल्द रायपुर ले जाने के लिए रवाना कर दिया।

परिजनों ने स्थिति को देखते हुए शहर के ही संजीवीनी हार्टकेयर हॉस्पिटल लेकर आए, जहां महिला कुछ दिन वेंटिलेटर वार्ड मे रहने के बाद अपना दम तोड़ दिया। इन सबकी जानकारी होने पर संस्था कृष्णा हॉस्पिटल के सामने जमकर अपना आक्रोश दिखाया और उचित न्याय के लिए कृष्णा हॉस्पिटल के सामने में प्रदर्शन किया। हॉस्पिटल वाले के कई घंटो की चुप्पी देखते हुए शव के साथ परिजनों के साथ नेशनल हाईवे पर बैठ गए, तब जाकर वहां सिटी कोतवाली से पुलिस टीम पहुंचे, जिनके कहने पर तुरंत ही हाईवे को पूरी तरह से खोल दिया गया, जिसके बाद प्रशासन और हॉस्पिटल वाले के तरफ से लगभग डेढ़ से दो घंटा इंतजार करने के बाद में कोई जवाब नहीं देने पर दोबारा से नेशनल हाईबे को जाम किया गया, जिसके बाद शासन-प्रशासन और हॉस्पिटल वाले हरकत में आए, तब जाकर कर पीड़ित परिवार को न्याय मिला। संस्था ने शासन-प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की एवं सभी निजी हॉस्पिटल की डिग्री चेक करने एवं सरकारी गैर सरकारी स्वास्थ्य विभाग को सुधारने की मांग की गई।

कैबिनेट मंत्री पुलिस लाइन कॉलोनी पहुंच कर दी श्रद्धांजलि, शोक संतृप्त परिवार जनों से मुलाकात कर बांटा दुख

कोरबा। कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन शनिवार को पुलिस लाइन कॉलोनी पहुंच कर तालाब में डूबने से दिवंगत बच्चों को पुष्प अर्पित कर परिवार जनों को ढाँढस बंधाकर दुख बांटा। एक दिन पहले पुलिस कॉलोनी के तीन बच्चों की तालाब में डूबने से मृत्यु हो गई थी।

घटना की जानकारी मिलते ही कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने पुलिस अधिकारियों से घटना की पूरी जानकारी ली थी।

रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल जांबांज युवाओं को कलेक्टर-एसएसपी ने किया सम्मानित

मुख्यमंत्री के निर्देश पर चला रेस्क्यू ऑपरेशन, सभी फंसे लोगों की जान बचाई

रायपुर। राजधानी के बेबीलॉन टावर में बीते रात हुई भयंकर आग दुर्घटना पर जिला प्रशासन-पुलिस और विशेष कर कुछ साहसी युवाओं के प्रयासों और सूझबूझ से आग पर कुछ समय की मशक्कत के बाद काबू पा लिया गया। इस रेस्क्यू ऑपरेशन के हीरोस् को कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह और एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने आज सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया था कि किसी भी हालत में राहत कार्य में कमी न आए और यह ध्यान में रहे कि जन हानि न हो। उनके निर्देशन में कलेक्टर और पूरा जिला प्रशासन अमला जुटा रहा। वहां फंसे लोगों को सभी की सहायता से निकाल लिया गया। साथ ही सभी की जान बचा ली गई। साथ ही पूरे ऑपरेशन के दौरान स्वयं मुख्यमंत्री और सीएम सचिवालय के अधिकारी पल-पल की जानकारी लेते रहे। इस रेस्क्यू ऑपरेशन के हीरो को कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह और एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने शॉल और किताब

देकर सम्मानित किया और कहा कि यह सारे लोग पूरे समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत है। हमारे शहर के गौरव हैं, जिन्होंने अपने जान की परवाह किए बिना अपने आप को फंसे लोगों को बचाने के लिए खुद को समर्पित कर दिया। इनमें श्री सोमेश साव, श्री देवाशिश बरिहा, श्री आकाश साहू, श्री विशाल यादव, श्री अभिषेक सिन्हा श्री ए.वेनूगोपाल युवा शामिल थे। साथ ही शासकीय अधिकारियों में जिला सेनानी अधिकारी श्री पुष्पराज सिंह, तेलीबांधा थाना टीआई श्री नरेंद्र मिश्रा सहित अन्य पुलिस कर्मी उपस्थित थे।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि इन जांबाज़ बच्चों ने अपने समाज की संस्कृति और परिवार के संस्कारों को प्रदर्शित किया है कि कठिन परिस्थितियों में अपनी चिंता न कर दूसरों की चिंता करें एवं इनके माता-पिता वंदनीय हैं जिन्हों अपनी संतानों की इतनी अच्छी परवरिश की जो अपने समाज के समक्ष उदाहरण बनकर उभरें हैं। कलेक्टर ने कहा कि कल रात घटना की जानकारी मिली तो एसएसपी डॉ सिंह और मैं एयरपोर्ट में थे। चूंकि मुख्यमंत्री श्री साय का आगमन होना था। मुख्यमंत्री ने हमें तुरंत घटना स्थल पर जा कर रेस्क्यू ऑपरेशन में जुड़ जाने का निर्देश दिया। इसके तुरंत बाद घटना स्थल पर पहुंच गए। उस दौरान नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप, जिला पंचायत सीईओ श्री कुमार बिश्वरंजन, एडीएम श्री उमाशंकर बंदे, अपर कलेक्टर श्री कीर्तिमान सिंह राठौर, एसडीएम श्री नंदकुमार चौबे, जिला सेनानी अधिकारी श्री पुष्पराज सिंह, तेलीबांधा थाना टीआई और सहित प्रशासनिक अमला और एसडीआरएफकी टीम मौजूद आग बुझााने के काम में डटे थे। रेस्क्यू टीम ने आग लगे स्थल से एक दिव्यांग व्यक्ति को गोद में लेकर बाहर निकाला।

घटना की सूचना मिलते ही पहले एसडीएम श्री नंदकुमार चौबे और जिला सेनानी श्री पुष्पराज सिंह घटना स्थल पहुंच गए। परिस्थियों को देखते हुए वे दोनो टीम के साथ 7वे माले पर पहुंच गए और उपस्थित लोंगो को समझाया कि घबराएं नही और सावधानी बरते हुए सीढ़ियों से बाहर निकलने का रास्ता बताया, जिससे वे सुरक्षित तरीके से बाहर आकर दुर्घटना से बच गए। सोमेश साव ने बताया कि उनके मित्र ने फोन कर अग्नि दुर्घटना की सूचना देकर सहायता करने को कहा वे 10 मिनट के भीतर घटनास्थल पहुंच गए। वहां पहुंच कर बेसमेंट में मौजूद फायर एक्यूपमेंट को इकठ्ठा किया और सीढ़ियों से उपर चढते हुए सभी फ्लोर पर लगे आग बुझाते चले गए। उन्होंने नगर निगम कर्मचारी श्री ए. वेनूगोपाल जो फायर ब्रिगेड में थे, उन्होंने उन युवाओं को गीले कपड़े के मास्क के रूप में उपयोग करने को कहा। कुछ देर बाद श्री सोमेश, श्री ए.वेनूगोपाल आग लगी जगह पर पहुंच गए और टीम के साथ फसें लोगों को बाहर निकालने में मदद की।

बेबीलॉन टावर में अग्नि दुर्घटना : रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल जाबांज युवाओं को कलेक्टर-एसएसपी ने किया सम्मानित

रायपुर। राजधानी के बेबीलॉन टावर में बीते रात अचानक आग लगने की घटना पर जिला प्रशासन-पुलिस और विशेष कर कुछ साहसी युवाओं के प्रयासों और सूझबूझ से बिना जनहानि के काबू पा लिया गया। इस रेस्क्यू ऑपरेशन के हीरोस् को कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह और एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने आज सम्मानित किया।

गौरतलब है कि बेबीलॉन टावर में आग लगने की घटना की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री श्री साय ने जिला प्रशासन को त्वरित रूप से राहत एवं बचाव कार्य संचालित करने के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री ने प्रशासन को यह विशेष रूप से हिदायत दी थी कि इस अग्नि दुर्घटना में जनहानि न होने पाए, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। बेबीलॉन टावर में आग लगने की सूचना मिलते ही कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उम्मेद सिंह, जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के साथ-साथ अग्निशमन का अमला तेजी से मौके पर पहुंचा और बचाव कार्य जुट गया। बेबीलॉन टावर में फसे लोगों को समय रहते ही सुरक्षित निकाल लिया गया है। प्रशासन की त्वरित कार्रवाई के चलते इस दुर्घटना में जनहानि नहीं हुई। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान स्वयं मुख्यमंत्री और सीएम सचिवालय के अधिकारी पल-पल की जानकारी लेते रहे।

इस रेस्क्यू ऑपरेशन के हीरो को कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह और एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने शॉल और किताब देकर सम्मानित किया और कहा कि यह सारे लोग समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत है। हमारे शहर के गौरव हैं, जिन्होंने अपने जान की परवाह किए बिना फंसे लोगों को बचाने के लिए खुद को समर्पित कर दिया। इनमें श्री सोमेश साव, श्री देवाशीष बरिहा, श्री आकाश साहू, श्री विशाल यादव, श्री अभिषेक सिन्हा श्री ए.वेनूगोपाल शामिल थे। जिला सेनानी अधिकारी श्री पुष्पराज सिंह, तेलीबांधा थाना टीआई सहित अन्य पुलिस कर्मियों ने भी इस दुर्घटना की रोकथाम और बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि इन जांबाज़ बच्चों ने अपने समाज की संस्कृति और परिवार के संस्कारों को प्रदर्शित किया है कि कठिन परिस्थितियों में अपनी चिंता न कर दूसरों की चिंता करें एवं इनके माता-पिता वंदनीय हैं जिन्होंने अपनी संतानों की इतनी अच्छी परवरिश की, जो अपने समाज के समक्ष उदाहरण बनकर उभरें हैं। कलेक्टर ने कहा कि कल रात घटना की जानकारी मिली तो एसएसपी और मैं एयरपोर्ट में थे।

भगवान गणेश के स्वरूप से छेड़छाड़, लाखेनगर गणेशोत्सव समिति पर FIR...

रायपुर। राजधानी रायपुर का सबसे चर्चित आयोजन माने जाने वाला लाखेनगर गणेशोत्सव समिति (सिंधु एकता गणेश युवा एकता समिति) इस बार विवादों में घिर गया है। आयोजन समिति के संचालक पर बजरंग दल की शिकायत के आधार पर आज़ाद नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

बजरंग दल का आरोप है कि आयोजन स्थल पर अश्लील गाने बजाए गए और डांस कराया गया, साथ ही भगवान गणेश की प्रतिमा को,द्ध कार्टून स्वरूप में स्थापित कर धार्मिक आस्थाओं से खिलवाड़ किया गया।

कैसे भड़का विवाद ?

गुरुवार रात लाखेनगर इलाके में स्थित गणेश पंडाल के सामने आइटम सांग बजने पर मामला गरमा गया। प्रतिमा का स्वरूप देखने के बाद बजरंग दल, शिवसेना और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में वहां पहुंच गए। उन्होंने हंगामा करते हुए प्रतिमा के विसर्जन की मांग की। मौके पर हालात तनावपूर्ण हो गए और पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा।

पुलिस की कार्यवाही

मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को संभालने के लिए प्रतिमा को कपड़े से ढक दिया। इस दौरान पंडाल में मौजूद कुछ लोगों को हटाने के लिए हल्का बल प्रयोग भी करना पड़ा।

आगे की स्थिति

फिलहाल समिति संचालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस जांच कर रही है। वहीं, संगठन से जुड़े कार्यकर्ता इसे धार्मिक भावनाओं का अपमान बताते हुए सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

प्रोजेक्ट नैनो : रायपुर जिले में कृषक कर रहे ड्रोन से नैनो उर्वरकों का छिड़काव

रायपुर। रायपुर जिले के किसान अब आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए ड्रोन और स्प्रेयर मशीन से नैनो उर्वरकों का छिड़काव कर रहे हैं। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के मार्गदर्शन में कृषि विभाग द्वारा प्रोजेक्ट नैनो अंतर्गत इस पहल को व्यापक स्तर पर संचालित किया जा रहा है। इससे खेती की लागत में कमी, मृदा स्वास्थ्य में सुधार और पर्यावरण संरक्षण में सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। रायपुर जिले के विकासखण्ड धरसींवा, आरंग, अभनपुर और तिल्दा में ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों के माध्यम से यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत प्रतिदिन लगभग 10 हेक्टेयर क्षेत्र में ड्रोन से नैनो उर्वरकों का छिड़काव कराया जा रहा है तथा कृषकों को इनके लाभों की जानकारी दी जा रही है। साथ ही ट्रैक्टर स्प्रेयर से भी नैनो उर्वरकों का उपयोग कराया जा रहा है। रायपुर जिले में अब तक लगभग 155 हेक्टेयर क्षेत्र में स्प्रेयर मशीन तथा 102 हेक्टेयर क्षेत्र में ड्रोन के माध्यम से नैनो उर्वरकों का

छिड़काव किया जा चुका है। किसानों का रुझान लगातार नैनो उर्वरकों की ओर बढ़ रहा है, क्योंकि इनके उपयोग से पौधों की जड़ें अधिक सशक्त और विकसित हो रही हैं। परंपरागत रासायनिक उर्वरकों की तुलना में नैनो उर्वरकों न केवल फसल उत्पादकता के लिए बेहतर है, बल्कि इससे मिट्टी की उर्वरता भी संरक्षित होती है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह का कहना है कि जिला प्रशासन और कृषि विभाग की इस संयुक्त पहल का उद्देश्य किसानों को उन्नत तकनीक से जोड़ते हुए उनकी खेती को अधिक लाभकारी, पर्यावरण हितैषी और टिकाऊ बनाना है।

राज्य स्तरीय सम्मान से सम्मानित हुए 64 शिक्षक

शिक्षक अपने विद्यार्थियों के लिए रोल मॉडल होता है: राज्यपाल डेका

रायपुर। राज्यपाल डेका और मुख्यमंत्री साय ने शिक्षक दिवस पर राजभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम् में आयोजित समारोह में वर्ष 2024 के उत्कृष्ट शिक्षकों को राज्य स्तरीय सम्मान प्रदान किया। समारोह में राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने वर्ष 2024 के लिए सभी सम्मानित शिक्षकों को बधाई और शुभकामनाएं दी। प्रदेश के 64 शिक्षकों को राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस मौके पर स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने राज्य शिक्षक सम्मान वर्ष 2025 के लिए चयनित 64 शिक्षकों के नामों की भी घोषणा की। राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि राज्यपाल ने सर्वप्रथम भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति, महान दार्शानिक और प्रख्यात शिक्षाविद् डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी को उनकी जयंती पर नमन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि शिक्षा मानव के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम है। एक शिक्षक अपने विद्यार्थियों के लिए

रोल मॉडल होता है। बेहतर शिक्षक एक जिम्मेदार नागरिक तैयार करने में महती भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के जीवन के प्रेरणास्त्रोत होते है। उनके विकास में शिक्षकों की बहुत बड़ी भूमिका है। आज का जीवन सरल नहीं है। गिरकर खड़े होना और जीवन की चुनौतियों का सामना कैसे किया जाए यह विद्यार्थियों को सीखाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षक ऐसा पढ़ाएं जिससे बच्चे स्कूलों की ओर आकर्षित हो। स्कूल भवन नहीं बल्कि उसके अंदर क्या पढ़ा रहे है ये महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्राचीन भारत की गुरूकुल परंपरा को श्रेष्ठ बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक गेम चेन्जर है। इस नीति के अनुरूप बच्चों को शिक्षा मिले यह शिक्षकों की जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की गई है, जिसका मूल उद्देश्य यही है कि शिक्षा अधिक व्यवहारिक, कौशल आधारित और सर्वांगीण बनाया जाए। इस नीति में विशेष बल मातृभाषा में शिक्षा पर दिया गया है। बालक को उसकी मातृभाषा में शिक्षा देने से वह अधिक रूचि तथा सहजता के साथ शिक्षा ग्रहण करता है। समारोह की अध्यक्षता कर रहे मुख्यमंत्री साय ने कहा कि शिक्षक ही सच्चे राष्ट्र निर्माता होते हैं। वे देश को ऐसे राष्ट्रभक्त नागरिक देते हैं, जो आगे चलकर समाज और राष्ट्र की उन्नति में योगदान देते हैं। जिस प्रकार दीपक स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश देता है, उसी प्रकार शिक्षक भी अनेक कठिनाइयों के बावजूद ज्ञान का उजाला फैलाते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे कर रहा है और इस रजत जयंती वर्ष में प्रदेश ने हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। शिक्षा विकास का मूलमंत्र है और इसके बिना जीवन अधूरा है। पिछले वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में भी व्यापक विस्तार हुआ है। आज प्रदेश में 20 से अधिक विश्वविद्यालय, 15 से ज्यादा मेडिकल कॉलेज और राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्थान जैसे आईआईटी, आईआईएम, एम्स तथा लॉ विश्वविद्यालय स्थापित हैं। समारोह में उपस्थित विशिष्ट अतिथि स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू होने से प्रदेश में शिक्षा का स्तर आने वाले समय में और बेहतर होगा। उन्होंने आगामी वर्ष के लिए राज्य शिक्षक सम्मान के लिए चयनित शिक्षकों के नामों की घोषणा की। राज्यस्तरीय समारोह में चार उत्कृष्ट शिक्षकों सूरजपुर जिले के अजय कुमार चतुर्वेदी को डॉ. पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी स्मृति पुरस्कार, कबीरधाम जिले के रमेश कुमार चंद्रवंशी को गजानन माधव मुक्तिबोध स्मृति पुरस्कार, सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले की श्रीमती सुनीता यादव को डॉ. मुकुटधर पाण्डेय स्मृति पुरूस्कार और रायगढ़ जिले के भोजराम पटेल को डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र स्मृति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी तरह प्रधान पाठक, व्याख्याता, व्याख्याता एल.बी., शिक्षक एल.बी., सहायक शिक्षक, सहायक शिक्षक एल.बी वर्ग के 64 उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

सैमसंग ने लॉन्च किया M9: एआई-पावर्ड 4K क्यूडी-ओएलईडी स्मार्ट मॉनिटर जो काम, स्ट्रीमिंग और गेमिंग को बनाता है आसान

गुरुग्राम। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने अपनी नई स्मार्ट मॉनिटर फैमिली को लॉन्च किया है। इस सीरीज में लग्जुरियस M9 (M90SF) के साथ ही M8 (M80SF) और M7 (M70F) के उन्नत एडिशंस शामिल हैं। आधुनिक एआई फीचर्स के साथ, ये नए मॉनिटर काम और मनोरंजन के लिए अधिक व्यक्तिगत और कनेक्टेड स्क्रीन अनुभव प्रदान करते हैं। पुनीत सेठी, वाइस प्रेसिडेंट, एंटरप्राइज बिजनेस, सैमसंग इंडिया, ने कहा, सैमसंग की 4K क्यूडी-ओएलइडी तकनीक को स्मार्ट एआई के साथ मिलाकर, M9 मॉनिटर को सामान्य मॉनिटर से बहुत आगे ले जाता है। यह रीयल-टाइम में तस्वीर और आवाज को बेहतर बनाता है, इसका पतला ऑल-इन-वन डिज़ाइन है, और आपके पसंदीदा स्ट्रीमिंग और काम के टूल्स तक आसानी से पहुंच प्रदान करता है। M9 तेज, स्मार्ट और पूरी तरह से शानदार अनुभव देता है। फ्लैगशिप M9: डिस्प्ले इनोवेशन में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि M9 स्मार्ट मॉनिटर रेंज में पहली बार क्यूडी-ओएलइडी तकनीक पेश की गई है। फ्लैगशिप-लेवल के विजुअल्स को टीवी-ग्रेड स्मार्ट कार्यक्षमता के साथ जोड़कर, 32-इंच का M9 शानदार कंट्रास्ट, जीवंत रंग और बेहतरीन विजुअल्स प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। अपने स्लिम, ऑल-मेटल चेसिस के साथ, यह म्यूज़ियम-क्वॉलिटी सौंदर्य और कार्यात्मक सुंदरता का मिश्रण है, जो स्टाइलिश डिज़ाइन स्टूडियो या कॉरपोरेट ऑफिस के लिए उपयुक्त है। सैमसंग के स्मार्ट मॉनिटर M9 में ओएलईडी सेफगार्ड+ को पेश किया गया है, जो लंबे समय तक स्क्रीन की सुरक्षा करता है। इसमें एक विशेष कूलिंग सिस्टम है जो बर्न-इन के जोखिम को कम करता है। इसका ग्लेयर-फ्री डिस्प्ले रिफ्लेक्शन्स को कम करता है, जिससे रौशनी में भी लगातार विजिबिलिटी और आराम सुनिश्चित होता है। M9 एआई से चलने वाली तकनीकों जैसे एआई पिक्चर ऑप्टिमाइज़र, 4K एआई अपस्केलिंग प्रो, और ऐक्टिव वॉयस एम्प्लीफायर प्रो का उपयोग करता है, जो वास्तविक समय में पिक्चर एवं साउंड की गुणवत्ता को बढ़ाता है और कंटेंट एवं परिवेश के अनुसार स्वचालित रूप से अनुकूलन करता है। एक स्मार्ट मनोरंजन हब के रूप में, M9 में लोकप्रिय स्ट्रीमिंग ऐप्स, सैमसंग टीवी प्लस, और सैमसंग गेमिंग हब की सुविधा है, जो बिना कंसोल या पीसी के क्लाउड-आधारित गेमिंग को इनेबल करती है। 165H5 रिफ्रेश रेट, 0.03ms रिस्पॉन्स टाइम, और एनविडिया G-सिंक से कॉम्पैटिबल, यह गेमिंग और अन्य मांगलिक कार्यों के लिए बड़ी आसानी से उच्च प्रदर्शन वाले विजुअल्स प्रदान करता है।

एसबीआई लाइफ ने रायपुर में 250 शिक्षकों के लिए वित्तीय साक्षरता कार्यशाला के साथ पूरे किए 25 साल

रायपुरः देश के सबसे भरोसेमंद निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक एसबीआई लाइफइंश्योरेंस ने इस शिक्षक दिवस पर शिक्षकों के लिए एक खास पहल के साथ अपने 25 साल पूरे किए। कंपनी ने छत्तीसगढ़ के अलग-अलग हिस्सों से आए 250 शिक्षकों के लिए रायपुर में वित्तीय साक्षरता और बीमा जागरूकता कार्यशाला आयोजित की। इस पहल ने कंपनी की इस प्रतिबद्धता को फिर से मजबूत किया कि वह समुदायों को वित्तीय ज्ञान और सुरक्षा (financial knowledge and protection) के ज़रिए सशक्त बनाना चाहती है। इस पहल में रायपुर, छत्तीसगढ़ के विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. गौरव कुमार सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी श्री हिमांशु भरतिया, अतिरिक्त वित्त निदेशक श्री अंकित मोदी, ब्लॉक एजुकेशन जिला से श्री शिरीष तिवारी और श्री अमित तिवारी के साथ साथ एसबीआई लाइफइंश्योरेंस के वरिष्ठ अधिकारीगण श्री एम आनंद, प्रेसिडेंट और चीफडिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर, ई. तिरुमूड़ी, जोनल डायरेक्टर - वेस्ट, और योगेश शर्मा, रीजनल डायरेक्टर ङ्क भोपाल मौजूद रहे। इन सभी की मौजूदगी ने इस बात को रेखांकित किया कि वित्तीय तैयारी को बढ़ावा देना हम सबकी साझा ज़िम्मेदारी है। भारत में वित्तीय साक्षरता आज भी एक बड़ी ज़रूरत बनी हुई है, क्योंकि कई घरों में वित्तीय योजना बनाने का कोई ठोस तरीका नहीं है। इसे देखते हुए एसबीआई लाइफ ने स्वतः एजुकेशन फाउंडेशन (SVATAH Education Foundation) के साथ मिलकर यह कार्यशाला आयोजित की, जो वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमों में विशेषज्ञ है। इस कार्यशाला को इस तरह से तैयार किया गया था कि यह शिक्षकों को बजट बनाना, बचत करना, निवेश करना, जिम्मेदारी से कर्ज लेना और जीवन बीमा की अहमियत जैसे विषयों पर व्यावहारिक जानकारी दे सके। शिक्षकों तक पहुंच कर यह पहल एक गुणक के प्रभाव (multiplier effect) की तरह काम करती है। शिक्षक सिर्फ अपने विद्यार्थियों को ही नहीं बल्कि पूरे परिवार और समाज को भी प्रभावित करते हैं। रायपुर में 250 शिक्षकों को वित्तीय ज्ञान देकर एसबीआई लाइफका मकसद यह है कि जागरूकता को बढ़ाया जाए और हज़ारों परिवारों में जिम्मेदारी से वित्तीय योजना को प्रोत्साहित किया जा सके। इस मौके पर एसबीआई लाइफइंश्योरेंस के प्रेसिडेंट और चीफडिस्ट्रीब्यूशन ऑफ़िसर एम. आनंद ने कहा कि एसबीआई लाइफ़ में हम मानते हैं कि असली आर्थिक आज़ादी जागरूकता से शुरू होती है। शिक्षकों को शामिल करके, जो समाज को गढ़ने में इतनी अहम भूमिका निभाते हैं, हमें पूरा विश्वास है कि वित्तीय साक्षरता के बीज दूर-दूर तक फैलेंगे। जीवन बीमा हर सुरक्षित आर्थिक योजना की नींव है और जैसे ही एसबीआई लाइफ़ सपनों और आकांक्षाओं की सुरक्षा के 25 साल पूरे कर रहा है हम उम्मीद करते हैं कि ऐसे वर्कशॉप्स के जरिये कई लोग खुद और अपने परिवार की सुरक्षा को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने आगे कहा, शिक्षक समाज की रीढ़ हैं जो पीढ़ी दर पीढ़ी को ज्ञान और मूल्यों से सींचते हैं। कई मायनों में शिक्षक बदलाव के उत्प्रेरक (catalysts of change) होते हैं और उन्हें सक्षम बनाकर हम उनके असर को समाज के हर कोने तक पहुंचा रहे हैं। हमारी ये कोशिश आईआरडीएआई के '2047 तक सबके लिए बीमा' विज़न से गहराई से जुड़ी है। जागरूकता की कमी को पूरा करके, वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देकर और आर्थिक सुरक्षा को मजबूत बनाकर हम एक मजबूत भारत के निर्माण में योगदान देना चाहते हैं।

संपादकीय

अतिरिक्त टैरिफ भारतीय निर्यात प्रभावित

भारत पर अतिरिक्त 25 फीसद अमेरिकी शुल्क बुधवार को लागू हो गया। अमेरिकी गृह मंत्रालय ने इस बाबत अधिसूचना जारी कर दी है, और इसी के साथ भारतीय वस्तुओं पर आयात शुल्क बढ़ कर 50 फीसद हो गया। माना जा रहा है कि 48 अरब डॉलर से ज्यादा का अमेरिका को किया जाने वाला भारतीय निर्यात इससे प्रभावित होगा। भारत के वस्त्र, परिधान, रत्न-आभूषण, झींगा, चमड़ा और जूते-चप्पल, पशु उत्पाद, रसायन, विद्युत एवं यांत्रिक मशीनरी उद्योग पर सर्वाधिक असर पड़ेगा। भारत के अलावा ब्राजील एकमात्र अमेरिकी व्यापारिक साझेदार है, जिसे 50 फीसद आयात शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। इस घटनाक्रम के बाद भारतीय शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली और कमजोर वैश्विक रुझान से निवेशकों की धारणा कमजोर पड़ी है। सर्राफा बाजार में भी तेजी का रुझान बन गया है। दरअसल, भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते पर अभी तक सहमति नहीं बन पाई है। अमेरिका भारत के कृषि और डेयरी क्षेत्र में प्रवेश चाहता है, लेकिन भारत ने इससे साफ इनकार कर दिया है। इसके बाद ट्रंप ने भारत द्वारा रूसी तेल खरीदने को बहाना बना कर यह अतिरिक्त शुल्क थोपा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अतिरिक्त शुल्क थोप कर भारत पर कूटनीतिक और व्यापारिक दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्पष्ट कर चुके हैं कि कृषि और डेयरी क्षेत्र में भारत कोई समझौता नहीं करेगा क्योंकि हमारे लिए किसानों के हित सवरेपरि हैं। भारत, अमेरिका को 79 अरब डॉलर का कुल निर्यात करता है, इसमें से 45 अरब डॉलर के भारतीय उत्पाद अमेरिकी शुल्क के दायर में आ जाएंगे यानी अमेरिका को लगभग 45 फीसद भारतीय निर्यात अमेरिकी टैरिफ के दायर से बाहर होगा, लेकिन 55 फीसद भारतीय निर्यात प्रभावित होना तय है। दवा क्षेत्र को अमेरिका ने अभी नहीं छुआ है, लेकिन धमकी जरूर दे दी है कि भारतीय दवाओं पर भी 150 फीसद शुल्क लगाया जा सकता है। बेशक, अमेरिका से निर्यात मोर्चे पर बड़ी चुनौती दरपेश है, लेकिन भारत के सामने तमाम विकल्प हैं। भारत को अमेरिका से बाहर नये बाजार तलाशने होंगे। जरूरी है कि रूस के साथ वह नई रणनीति के साथ बढ़े। भारत पलटवार की भी सोच सकता है। चुनिंदा वस्तुओं पर जवाबी टैरिफ लगाने की स्थिति में है। अपने प्रभावित क्षेत्रों को घरेलू स्तर पर सब्सिडी देकर प्रोत्साहन देकर मजबूत स्थिति में बनाए रख सकता है। बहरहाल, चुनौती बड़ी है, जिसे अवसर में तब्दील करने की क्षमता भारत में है।

देश के ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़ी आर्थिकी

डॉ. शालिग्राम सिंह

दुनिया भर में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कारण व्यापार शुल्क को लेकर जो भीषण रार मची है, उसने विश्व अर्थव्यवस्था की दिशा और मंजिल, दोनों को लेकर कई तरह के विमर्श और संकटों को सामने ला दिया है।

ये सारी बातें भविष्य की दुश्वारियों से तो जुड़ी हैं ही, इनसे अतीत के अनुभवों को लेकर भी कई बातें साफ हुई हैं। बात अकेले भारत की करें तो हमारे यहां खास तौर पर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को लेकर उदारीकरण के दौर में जिस तरह की नीतिगत समझ बननी चाहिए थी, वैसी बनी नहीं। इस कारण लंबे समय तक देश की अर्थव्यस्था की रीढ़ रहा यह क्षेत्र गंभीर उपेक्षाओं का शिकार हुआ। आज जब नौकरी-रोजगार की समस्या पर प्राथमिकता के साथ विचार करने की दरकार फिर से मजबूत हुई है, तो देश के ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़ी आर्थिकी को सुधारने की बात नये सिरे से रेखांकित हो रही है।

गौरतलब है कि 2011 की जनगणना के मुताबिक, भारत की 68.85 फीसद आबादी ग्रामीण अंचल में रहती है। अलबत्ता, शहरीकरण के बढ़े जोर के बावजूद नीति आयोग का अनुमान है कि 2045 में भी यह आंकड़ा 50 फीसद से ऊपर ही रहेगा। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण रिपोर्ट, 2023-24 में बताया गया है कि ग्रामीण रोजगार मुख्य रूप से 53.5 फीसद स्वरोजगार और 25.6 फीसद आकस्मिक श्रम पर टिका है। ग्रामीण श्रमिकों का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा (58.4त्न) कृषि में लगा हुआ है, जो आम तौर पर मौसमी रोजगार ही प्रदान करता है। ग्रामीण क्षेत्रों में वेतनभोगी नौकरियां कुल कार्यबल का महज 12 फीसद है। ऐसे में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने का सबसे बड़ा आधार वहां के लोगों के आय विकल्पों में सुधार है। अच्छी बात यह है कि इस दिशा में देश काफी आगे बढ़ा है। नीति आयोग की रिपोर्ट के बाद केंद्र सरकार का 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकलने का तथ्य तो संयुक्त राष्ट्र तक में गूंज चुका है। इस आंकड़े का सबसे चमकदार पक्ष बिहार और यूपी जैसे वे राज्य हैं, जहां की आबादी का बड़ा हिस्सा गांव-कस्बों में रहता है। ये वही राज्य हैं जो बीमारू के नाम पर लंबे दौर तक गांवों के पिछड़ेपन के कारण कोसे जाते रहे हैं। बीते दशक में गरीबी उन्मूलन इन्हीं सूबों में सर्वाधिक हुआ है। देश के ग्रामीण अंचल में आर्थिक सुधार और जागरूकता की एक बड़ी शुरु आत 2014 में प्रधानमंत्री जन-धन योजना से हुई। इसके तहत अब तक देश में कुल 55.44 करोड़ से ज्यादा बैंक खाते खोले जा चुके हैं, जिनमें से 56 फीसद खाते महिलाओं के हैं। 21 मई, 2025 तक इन खातों में कुल जमा राशि 2.5 लाख करोड़ रु पये से अधिक हो चुकी है। वित्तीय समावेशन की इस बड़ी पहल का नतीजा है कि खास तौर पर ग्रामीण क्षेत्र के लोगों में बचत और बीमा को लेकर तो जागरूकता आई ही है, वे वित्तीय लाभ के दूसरे विकल्पों को भी गंभीरता से आजमाने लगे हैं। इन विकल्पों में सबसे दिलचस्प है शेयर बाजार की ओर उन्मुखता। कोरोना महामारी से पहले डीमैट और म्यूचुअल फंड खातों की संख्या पांच करोड़ थी, जो अब लगभग 13 करोड़ पर पहुंच चुकी है। बेशक, इसमें बड़ी भागीदारी शहरी खाताधारकों की है, लेकिन माना जा रहा है कि बाजार का आकार इस ओर बढ़ रहे ग्रामीणों के रुझान को इंगित करता है। आत्मनिर्भर भारत के लिए सक्षम और समृद्ध गांव जरूरी है। इस दिशा में अपने प्रयास को बढ़ाते हुए केंद्र सरकार ने फैसला किया है कि अब डाकघरों के जरिए भी म्यूचुअल फंड खरीदे जा सकेंगे।

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोज़गार योजना देगी युवा शक्ति के सपनों को नई उड़ान

डॉ. मनसुख मांडविया

भारत की विकास गाथा हमेशा से उसकी श्रम शक्ति द्वारा लिखी गई है। देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में करोड़ों श्रमिकों के समर्पण और क्षमता की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, पिछले 11 वर्षों में भारत की आर्थिक प्रगति ने उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2014 में, भारत विश्व की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से आगे बढ़ते हुए आज चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। भारत ने वैश्विक पटल पर अपने लिए एक उल्लेखनीय स्थान बनाया है और इसमें इसके मानव संसाधन की शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

इस सफलता की कहानी को बल देने वाला तथ्य यह है कि भारत के आर्थिक विकास के साथ-साथ रोजगार का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। आरबीआई-केएलईएमएस के अनुसार, जहां 2004-2014 के बीच केवल 2.9 करोड़ रोजगार सृजित हुए थे, उसके बाद के दशक में 17 करोड़ से अधिक रोजगार सृजित हुए। औपचारिकीकरण में भी तेजी आई है, ईपीएफओ के आंकड़ों के अनुसार पिछले सात वर्षों में लगभग आठ करोड़ नौकरियां सृजित हुई हैं।

भारत में सामाजिक सुरक्षा कवरेज में बढ़तोरी होना भी हमारी एक बड़ी उपलब्धि है। 2015 में, केवल 19 प्रतिशत भारतीय कम से कम एक सामाजिक सुरक्षा योजना के अंतर्गत आते थे। 2025 तक, यह संख्या बढ़कर 64.3 प्रतिशत हो चुकी है और 94 करोड़ लाभार्थी इसके दायरे में आए हैं, जिससे भारत दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा सामाजिक सुरक्षा कवरेज देने वाला देश बन गया है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने इस उपलब्धि को वैश्विक स्तर पर कवरेज के सबसे तेज विस्तार में से एक माना है।

यह स्पष्ट है कि राष्ट्र का भविष्य न केवल जीडीपी वृद्धि की गति से, बल्कि हमारे द्वारा सृजित नौकरियों की गुणवत्ता, श्रमिकों को दी जाने वाली सुरक्षा और अपने युवाओं को प्रदान किए जाने वाले अवसरों से भी तय होगा। बढ़ते स्वचालन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से कारण बनी अनिश्चितता की स्थिति, आपूर्ति-श्रृंखला में बदलाव और दुनिया भर में नौकरियों को आकार देने वाली कई अन्य कमजोरियों की वैश्विक पृष्ठभूमि में, भारत एक जनसांख्यिकीय परिवर्तन के बिंदु पर खड़ा है।

हमारी 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है, जो एक महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय लाभांश है जो हमारी अर्थव्यवस्था को गति दे देता है, जबकि पश्चिमी देशों में आबादी वृद्ध होती हो रही है। वर्षों से, भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश यानी इसकी युवा शक्ति को इसकी सबसे बड़ी ताकत माना जाता रहा है। फिर भी, पिछली सरकारों के अधीन, इस क्षमता का पूरा उपयोग नहीं किया गया। अमृत काल में, जब हम 2047 तक एक विकसित भारत के विजन की दिशा में प्रयास कर रहे हैं, हमारे सामने कार्य स्पष्ट हैः हमें संभावना से समृद्धि की ओर बढ़ना होगा।

इस पृष्ठभूमि में, रोजगार अब केवल एक आर्थिक संकेतक नहीं रह गया है; यह सम्मान, समानता और राष्ट्रीय शक्ति का आधार है। इसके लिए आवश्यक है कि हम अपने युवाओं को रोजगार योग्य बनाएं, उन्हें औपचारिक अर्थव्यवस्था में एकीकृत करें, उन्हें वित्तीय साक्षरता से लैस करें और यह सुनिश्चित करें कि वे एक मजबूत सामाजिक सुरक्षा प्रणाली द्वारा सुरक्षित हों। तभी हमारा जनसांख्यिकीय लाभ वास्तव में एक स्थायी राष्ट्रीय लाभांश में परिवर्तित हो सकता है।

इसी चुनौती का समाधान करने और आकांक्षा व अवसर के बीच के अंतर को पाटने के लिए, 15 अगस्त को लाल क़िले की प्राचीर से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना शुरू करने की घोषणा की है। शुरुआत में केंद्रीय बजट 2024-25 में प्रस्तुत और प्रधानमंत्री जी के अपने 12वें स्वतंत्रता दिवस संबोधन में घोषित यह योजना पैमाने और डिजाइन, दोनों ही दृष्टि से एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतिनिधित्व करती है। 1 लाख करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ, यह भारत के इतिहास का सबसे महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है, जिससे 3.5 करोड़ से ज़्यादा रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। इनमें से दो करोड़ लाभार्थी पहली बार नौकरी पाने वाले होंगे।

योजना के दो स्तंभः पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहन और नियोक्ताओं को सहायता

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना को इसकी संरचना ही अलग बनाती है। रोजगार सृजन को बढ़ावा देने वाले पहले के कार्यक्रमों के विपरीत, यह योजना युवाओं की रोजगार क्षमता और उद्यम प्रतिस्पर्धात्मकता की दोहरी चुनौती का एक साथ समाधान करती है। भाग 'ए' के तहत पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों (दो किश्तों में 15,000 रुपए तक) और भाग 'बी' के तहत नियोक्ताओं (प्रत्येक नए कर्मचारी के लिए प्रति माह 3,000 रुपए तक) को प्रत्यक्ष वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करके, यह श्रमिकों के लिए प्रवेश बाधाओं को कम करता है और साथ ही व्यवसायों के लिए नियुक्ति जोखिम को भी कम करता है।

इस योजना का औपचारिकीकरण और सामाजिक सुरक्षा एकीकरण की दिशा में प्रोत्साहन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसके लाभ प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से प्रदान किए जाएंगे, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित होगी और नए कर्मचारियों को पहले दिन से ही सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों से जोड़ा जा सकेगा। इस प्रकार, प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना, एक औपचारिक, सुरक्षित और उत्पादक श्रम बाजार की ओर एक संरचनात्मक कदम है। इसके अलावा, विनिर्माण क्षेत्र में नियोक्ताओं को प्रोत्साहन पर अतिरिक्त ध्यान, भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक और प्रयास है।

समावेशी और सतत विकास को गति देना

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना, योजना-आधारित पहलों से हटकर एक व्यापक रोजगार प्रणाली की ओर बदलाव का संकेत देती है। यह पूर्व की पहलों से मिली सीख पर आधारित है, उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई), राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन और मेक इन इंडिया जैसी वर्तमान योजनाओं का पूरक है और प्रतिस्पर्धी वैश्विक व्यवस्था में काम की बदलती प्रकृति को पहचानती है।

श्रमिकों और नियोक्ताओं, दोनों को प्रोत्साहन देकर, प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना यह मान्यता देती है कि रोजगार सृजन एक साझा जिम्मेदारी है। भारत डिजिटल नवाचार को अपनाते हुए एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने का प्रयास कर रहा है, इसलिए यह योजना सुनिश्चित करती है कि कोई भी पीछे न छूटे - यहां तक कि सबसे छोटा उद्यम और कार्यबल में शामिल होने वाला सबसे नया व्यक्ति भी राष्ट्रीय विकास की यात्रा में भागीदार बने।

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजनाः नए भारत की नींव

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना एक नीतिगत घोषणा से कहीं अधिक बढ़कर है। यह जनसांख्यिकीय लाभांश को सार्वजनिक समृद्धि में बदलने की दिशा में एक ठोस कदम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, यह पहल विकसित भारत के विजन को साकार करने की नींव का हिस्सा है, जहां हर युवा को सार्थक रोजगार मिले, हर काम में सम्मान हो और हर युवा को अपने सपनों को साकार करने का अवसर मिले।

रोजगार निर्माण सही मायने में राष्ट्र निर्माण है। इस पहल के साथ, मोदी सरकार अपनी इस प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है कि कोई भी आकांक्षा अधूरी नहीं रहेगी और कोई भी युवा अवसर से वंचित नहीं रहेगा। हम सब मिलकर भारत की युवा शक्ति को नई उड़ान दे रहे हैं और उनके माध्यम से, विकसित भारत के सपने को भी नई गति प्रदान कर रहे हैं।

लेखक केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री, भारत सरकार हैं

भारत का आर्थिक मंथन और विकास का अमृत

हरदीप एस. पुरी

भारतीय सभ्यतामें अरसे से यह मान्यता रही है कि कामयाबीसे पहलेपरीक्षाहोती है। समुद्र मंथन, जहांमथने की प्रकिया से अमृत निकला था,इसी तरहहमारे आर्थिक मंथन ने भी हमेशा ही नवीनता का मार्ग प्रशस्त किया है। वर्ष1991के संकट से जहां उदारीकरण का जन्म हुआ; वहीं महामारी से डिजिटल उपयोग तेज हुआ।और आज, भारत को एक मृत अर्थव्यवस्था कहने वाले संशयवादियों के शोर-शराबे के बीच-तीव्र विकास, मजबूत बफर, और व्यापक अवसर - की एक तथ्यपरक कहानी उभर कर सामने आई है।

जीडीपी के ताजा आंकड़ों पर जरागौर करें। वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। यह वृद्धि दरपिछली पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह वृद्धि व्यापक हैः सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) 7.6 प्रतिशत बढ़ा है, जिसमें मैन्यूफैक्चरिंग 7.7 प्रतिशत, निर्माण 7.6 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र लगभग 9.3 प्रतिशतबढ़ा है। नॉमिनल जीडीपी में 8.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह कोईमनमाने तरीके से बताई गई तेजी नहीं है।यह बढ़ते उपभोग, मजबूत निवेश और निरंतरसार्वजनिक पूंजीगत व्यय वपूरी अर्थव्यवस्था में लागत कम करने वाले लॉजिस्टिक्स संबंधी सुधारों से हासिल नतीजोंका सबूत है।

भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी और सबसे तेज गति से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है। यह तेजी के मामले में दुनिया की पहली और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं क्रमशःअमेरिका और चीनसे भी आगे निकल गई है। वर्तमान गति से, हम इस दशक के अंत तक जर्मनी को पीछे छोड़कर बाजार-विनिमय के संदर्भ में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं। हमारी गति वैश्विक स्तर पर मायने रखती है।स्वतंत्र अनुमान बताते हैं कि भारत पहले से ही वैश्विक वृद्धि में 15 प्रतिशत से अधिक का योगदान दे रहा है। प्रधानमंत्री ने एक स्पष्ट लक्ष्यरखा है —सुधारों के मजबूत होने और नई क्षमताओं के सामने आने के साथ-साथ वैश्विक वृद्धि में हमारी हिस्सेदारी बढ़कर 20 प्रतिशत तक पहुंचे।

विभिन्न बाजारों और रेटिंग एजेंसियों ने हमारे इस अनुशासन को मान्यता दी है। एसएंडपी ग्लोबल ने मजबूत विकास, मौद्रिक विश्वसनीयता और राजकोषीय सुदृढ़ीकरण का हवाला देते हुए, 18 वर्षों में पहली बार भारत की 'सॉवरेन रेटिंग' को उन्नत किया है। इस अपग्रेड से उधार लेने की लागत कम होती है और निवेशक आधार का विस्तार होता है। यह मृत अर्थव्यवस्था की धारणा को भी झुठलाता है। जोखिम के स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ताओं ने अपनी रेटिंग के साथ अपना मत दिया है।

उतना ही महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि आखिर इस सबका लाभ किसे मिला है। वर्ष 2013-14 और 2022-23 के बीच, 24.82 करोड़ भारतीय बहुआयामी गरीबीसे बाहर निकल आए हैं। यह बदलाव उन बुनियादी सेवाओं - बैंक खाते, रसोई के लिए स्वच्छ ईंधन, स्वास्थ्य बीमा, नल का जलऔर प्रत्यक्ष हस्तांतरण - की बड़े पैमाने पर आपूर्ति पर निर्भर है जो गरीबों को विकल्प चुनने का अधिकार देता है। दुनिया के सबसे जीवंत लोकतंत्र और उल्लेखनीय जनसांख्यिकीय चुनौतियों के बीच विकास का यह पैमाना बेहद खास है। विकास का भारत का यह मॉडल आम सहमति के निर्माण, प्रतिस्पर्धी संघवाद और डिजिटल माध्यमों के उपयोग से अंतिम छोर तक सेवा प्रदान करने को महत्व देता है। यह घोषणा के मामले में धीमा,क्रियान्वयन के मामले में तेज और निर्माण की दृष्टि से टिकाऊ है। जब आलोचक हमारी तुलना तेज भागने वाले सत्तावादियों से करते हैं, तो वे इस तथ्य को नजरअंदाज कर देते हैं किहम मैराथन धावक की तर्ज पर लंबी दूरी तय करने वाली एक अर्थव्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं।

भारत के पेट्रोलियम मंत्री के रूप में, मैं इस बात की पुष्टि कर सकता हूं कि हमारी ऊर्जा सुरक्षा इस तीव्र विकास में किस प्रकार सहायक की भूमिका निभा रहीहै। आज, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता, चौथा सबसे बड़ा तेलशोधक (रिफाइनर) और एलएनजी का चौथा सबसे बड़ा आयातक है। हमारी तेलशोधन (रिफाइनिंग) क्षमता 5.2 मिलियन बैरल प्रतिदिन से अधिक हैऔर इस दशक के अंत तक इसे 400 मिलियनटन प्रति वर्ष (एमटीपीए) से आगे बढ़ाने का एक स्पष्ट रोडमैप हमारे पास उपलब्ध है।

भारत की ऊर्जा संबंधी मांग - जो 2047 तक दोगुनी होने का अनुमान है - बढ़ती वैश्विक मांग का लगभग एक-चौथाई हिस्सा होगी, जिससे हमारी सफलता वैश्विक ऊर्जा स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण बन जाएगी। सरकार का दृष्टिकोण सुरक्षा को सुधार के साथ जोड़ने का रहा है। तेल की खोज का क्षेत्र 2021 में तलछटी घाटियों के 8 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 16 प्रतिशत से अधिक हो गया है। हमारालक्ष्य2030 तक इसे बढ़ाकर 10 लाख वर्ग किलोमीटर करना है। तथाकथित 'निषिद्ध' (नो-गो)क्षेत्रों में 99 प्रतिशत की भारी कमी ने अपार संभावनाओं को जन्म दिया है, जबकि ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी (ओएएलपी)पारदर्शी वप्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया सुनिश्चित करती है। गैस मूल्य निर्धारण से संबंधी नए सुधारों - जिनमें कीमतों को भारतीय कच्चे तेल की टोकरी से जोड़ा गया है और गहरे पानी एवं नए कुओं के लिए 20 प्रतिशत प्रीमियम की पेशकश की गई है - ने निवेश को बढ़ावा दिया है।

हमारी ऊर्जा की कहानी सिर्फ हाइड्रोकार्बन की ही नहीं,बल्कि बदलाव की भी कहानी है। वर्ष 2014 में इथेनॉल मिश्रण 1.5 प्रतिशत से बढ़कर आज 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा की बचत के बराबर हो गईहै और किसानों को सीधे एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान हुआ है। सतत के तहत 300 से ज़्यादा संपीड़ित बायोगैस संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं, जिनका लक्ष्य 2028 तक 5 प्रतिशत मिश्रण का है और तेल से जुड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर कुछ जगहों में काफी शोरगुलहुआ है। आइए तथ्यों को इस शोरशराबे से अलग करके देखें। रूस की तेल पर ईरान या वेनेज़ुएला के कच्चे तेल की तरह कभी प्रतिबंध नहीं लगाया गया।यह जी7/ईयूमूल्य-सीमा प्रणाली के अंतर्गत है जिसे जानबूझकर राजस्व को सीमित रखते हुए तेल प्रवाह को बनाए रखने के लिए डिजाइन किया गया है। ऐसे पैकेजों के 18 दौर हो चुके हैंऔर भारत ने हरेक दौर का पालन किया है। प्रत्येक लेनदेन में कानूनी लदान(शिपिंग)एवं बीमा, अनुपालन करने वाले व्यापारियों और लेखा-परीक्षण (ऑडिट) किए गए चैनलों का उपयोग किया गया है। हमने कोई नियम नहीं तोड़े हैं।हमने बाजारों को स्थिर किया है और वैश्विक कीमतों को बढ़ने से रोका है।

कुछ आलोचकों का आरोप है कि भारत रूस के तेल के लिए एक लौंड्रोमैट बन गया है। इससे अधिक निराधार बात और कुछ नहीं हो सकती। भारत इस संघर्ष से काफी पहले दशकों से पेट्रोलियम उत्पादों का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक रहा है और हमारे रिफाइनर विश्व भर से इस प्रकार के क्रूड का एक समूह बनाते हैं।निर्यात आपूर्ति श्रृंखलाओं को सक्रिय रखता है। वास्तव में, रूस के कच्चे तेल पर प्रतिबंध लगाने के बाद यूरोप ने भी भारतीय ईंधनों की ओर रुख किया। निर्यात की मात्रा और रिफाइनिंग मार्जिन (जीआरएम) मोटे तौर पर समान ही हैं।मुनाफे लेने का इसमें का कोई सवाल ही नहीं है।

यह तथ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि भारत ने यूक्रेन संघर्ष के बाद वैश्विक कीमतों में उछाल आने पर अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए निर्णायक रूप से कदम उठाए। तेल से जुड़े सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) ने डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर तक के नुकसान को सहन किया।सरकार ने केन्द्रीय और राज्य के करों में कटौती कीऔर निर्यात से जुड़े नियमों ने यह अनिवार्य किया कि विदेशों में पेट्रोल और डीजल बेचने वाले रिफाइनर को घरेलू बाजार में कम से कम 50 प्रतिशत पेट्रोल और 30 प्रतिशतडीजल बेचना होगा।

इन उपायों ने, काफी राजकोषीय लागत पर, यह सुनिश्चित किया कि एक भी खुदरा दुकान खाली न रहे और परिणामस्वरूप भारतीय घरों के लिए कीमतेंस्थिररहीं। बड़ा सच यह है किवैश्विक तेल का लगभग 10 प्रातशत आपूर्ति करने वाले दुनिया के इस दूसरे सबसे बड़े उत्पादक का कोई विकल्प ही नहीं है। जो लोग उंगली उठा रहे हैं, वे इस तथ्य की अनदेखी करते हैं।वसुधैव कुटुम्बकम के अपने सभ्यतागत मूल्यों के अनुरूपभारत द्वारा सभी अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का पालन करने से 200 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के विनाशकारी झटके को रोका गया।

यह वही मेड इन इंडिया है जो विश्व दृष्टिकोण के लिए भारत में आकार ले रही नई औद्योगिक क्रांति को आकार देता है। इस औद्योगिक क्रांति में सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा और विशेष रसायन शामिल हैं - जो उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहनों (पीएलआई)और पीएम गतिशक्ति लॉजिस्टिक्स के सहारे संचालित हैं। सेमीकंडक्टर के उत्पादन में तेजी अब एक नए स्तर पर पहुंच रही है - जो नीतिगत गंभीरता और क्रियान्वयन का प्रमाण है। मंत्रिमंडल ने हाल ही में भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत चार अतिरिक्त सेमीकंडक्टर मैन्यूफैक्चरिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी हैऔर प्रधानमंत्री का जापान में एक सेमीकंडक्टर उत्पादन केन्द्र का हालिया दौराऔर जापान की निवेश संबंधी नवीनीकृत प्रतिबद्धताएं एक सुदृढ़ एवं विश्वसनीय तकनीकी आपूर्ति श्रृंखलाओं से संबंधित एक साझा रोडमैप को रेखांकित करती हैं।

डिजिटल अर्थव्यवस्था इन लाभों को कई गुना बढ़ा देती है। भारत वास्तविक समय में भुगतान के मामले में दुनिया भर में अग्रणी है। यूपीआई की सर्वव्यापकता छोटे व्यवसायों की उत्पादकता बढ़ाती हैऔर हमारा स्टार्टअप इकोसिस्टम नवाचार को सेवाओं एवं समाधानों के निर्यात में बदल रहा है। जब डिजिटल तेजीवास्तविक बुनियादी ढांचे के साथ मिलती है, तो प्रभाव बढ़ता है और परिणाम स्वरूप कम टकराव, सुव्यवस्थितऔर निवेश एवं उपभोग का एक बेहतर चक्र सुनिश्चित होता है।

कितना सही है नाश्ते में दही लेना

नाश्ते में हम सभी कुछ ऐसा खाना पसंद करते हैं, जो खाने में टेस्टी हो और हमारे शरीर को पूरा दिन काम करने की एनर्जी देता रहे। ऐसे में ज्यादातर लोग किसी ना किसी रूप में नाश्ते में दही खाना पसंद करते हैं। लेकिन क्या नाश्ते में दही लेना एक स्वस्थ विकल्प है

पाचक होती है लेकिन नींद दिलाती है

- यदि आपके दिन शुरुआत ही दही के साथ हो रही है तो यह आपको एनर्जी देने के स्थान पर नींद दिला सकती है और शरीर में सुस्ती बढ़ा सकती है। इसलिए दही कभी भी आपके फर्स्ट फूड का भाग नहीं होना चाहिए। हालांकि दही नाश्ते का एक शानदार हिस्सा है। यदि आप इसे खाते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखते हैं तब.

समझे विरोधी बातों का अर्थ

- एक तरफ तो हम कह रहे हैं कि दही नाश्ते में खाना अच्छा है। वहीं दूसरी तरफ यह भी कह रहे हैं कि इसे खाने से सुस्ती बढ़ सकती है। दरअसल, ये दोनों ही बातें सही हैं। दही खाने पर आपको एनर्जी मिलेगी या सुस्ती आएगी, यह इस बात पर निर्भर करता है कि दही खाने का आपका तरीका क्या है।

इस तरह खाएं और इस तरह ना खाएं दही

- आप नाश्ते में चपाती, पराठा, चिल्ला आदि के साथ दही खा सकते हैं। एक कटोरी दही का सेवन नाश्ते में करना शरीर के लाभकारी होता है और पाचनतंत्र को सही करता है। साथ ही शरीर को दिनभर के लिए ऊर्जा देने में लाभकारी होता है।
- लेकिन नाश्ते में दही का सेवन तभी करना चाहिए जब आप सुबह के समय नाश्ते से पहले कुछ खा या पी चुके हों। जैसे, सुबह की शुरुआत आपने पानी के साथ की हो और फिर चाय-टोस्ट, स्प्राउट्स या ड्राईफ्रूट्स आदि खाए हों। इसके एक घंटे बाद यदि आप नाश्ते में दही का सेवन करते हैं तो आपको नींद नहीं आएगी। आपको गैस बनने की समस्या है तो इन 5 सब्जियों से बचना चाहिए

खाली पेट नहीं खानी चाहिए दही

- सुबह के समय आप नाश्ते में केवल मीठी दही का उपयोग कर सकते हैं। खट्टी दही खाने से परहेज करें। साथ ही नाश्ते में दही खाते समय आप इसमें एक चम्मच शक्कर मिला सकते हैं। यदि आपको शुगर की समस्या नहीं है तब।
- दिन की शुरुआत यदि किसी भी कारण देरी से हुई हो और आपके पास नाश्ता करने का समय ना हो तो भूलकर भी खाली दही ना खाएं। यदि आप खाली पेट दही खाते हैं तो आपको जबदस्त नींद आएगी और आप खुद को बहुत थका हुआ अनुभव करेंगे।
- ऐसा इसलिए होता है क्योंकि खाली पेट दही खाने से कुछ लोगों को ब्लड प्रेशर कम होने की समस्या हो जाती है। इससे शरीर में ब्लड का फ्लो कम होता है और ऑक्सीजन का स्तर घटने लगता है। यही कारण है कि बहुत तेज नींद आती है और बेहोशी जैसा अनुभव होता है।

करामाती है मटके के पानी

आजकल सबसे पहले इंसान चाय-कॉफी पीता है मगर पहले के लोग पानी पीते थे। आयुर्वेद कहता है आपको सूरज से भी पहले उठना चाहिए और तुरंत मटके का पानी पीना चाहिए। ये काम करने से 17 खतरनाक बीमारी खत्म हो जाती हैं।

मोटापा, हाई ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल, डायबिटीज, पाइल्स से परेशान लोगों की संख्या बढ़ चुकी है। इन्हें ठीक करने के लिए केवल दवाई लेना जरूरी नहीं है। पानी पीकर इन जैसी 18 बीमारियों से छुटकारा पाया जा सकता है। इसके फायदों के बारे में कवि घाघ लिखते हैं प्रात समै खटिया से उठीकै, पिवै ठंडा पानी। ता घर वैद कबौ नहीं आवै, बात घाघ की मानी।।

कवि घाघ कहते हैं कि सुबह सवेरे उठकर तुरंत बासी मुंह मटके का पानी पीकर फायदे मिलते हैं। यह कई सारी बीमारियों को दूर करता है और वैद्य के पास जाने की कभी जरूरत नहीं पड़ेगी। आयुर्वद में भाव मिश्र ऋषि ने बताया है कि यह पानी कितने सारे रोगों में फायदेमंद साबित हो सकता है।

बासी मुंह पानी पीने के फायदे

बासी मुंह मटका का पानी 18 बीमारियों का इलाज कर सकता है। जिसमें बवासीर की सूजन, आईबीएस, बुखार, पेट के विकार, जल्दी बुढ़ापा, कुष्ठ त्वचा विकार, मेदोरोग- फैट मेटाबोलिज्म, डायसुरिया, हेमरेजिक डिसऑर्डर, कान के विकार, गले के विकार, सिर के विकार, कमर के विकार, आंख के विकार, वात विकार, पित्त विकार और कफ विकार आते हैं।

ऐसे करें ये आयुर्वेदिक उपाय

इस उपाय को सुबह सवेरे करना होता है जब आप सोकर उठते हैं। उसमें भी सूरज निकलने से पहले ये उपाय करना ज्यादा फायदेमंद होता है। इसे उठने के तुरंत बाद करना चाहिए, लेकिन कुछ लोगों के लिए तरीके में बदलाव होता है।

कब नुकसान करता है मटके का पानी?

आयुर्वेदिक एक्सपर्ट के मुताबिक, गर्मी में मटके का पानी पीना चाहिए मगर कफ विकार के रोगी इससे दूर रहें। ऐसे लोग और ठंड में हल्का गुनगुना पानी पी सकते हैं। लेकिन पित्त विकार के रोगियों के लिए गुनगुना पानी नुकसानदायक है।

ऐसे दिखाता है करामाती असर

जब आप सबसे पहले पानी पीते हैं तो शरीर साफ होने लगता है। आंतों से टॉक्सिन निकलकर रेक्टम तक पहुंच जाते हैं। जिससे पेट आसानी से साफ होता है। कब्ज, डायजेस्टिव ट्रैक्ट और ब्लैडर साफ होने से कई सारी बीमारियां खत्म हो जाती हैं।

कितना पानी पीना चाहिए?

हर किसी के लिए पानी की मात्रा अलग होती है। यह आपकी आदत के मुताबिक हो सकती है। मगर शुरुआत में 1-2 लीटर पानी पीने से बचें। आप इस हेल्दी आदत की शुरुआत 1-2 गिलास पानी से शुरू कर सकते हैं।

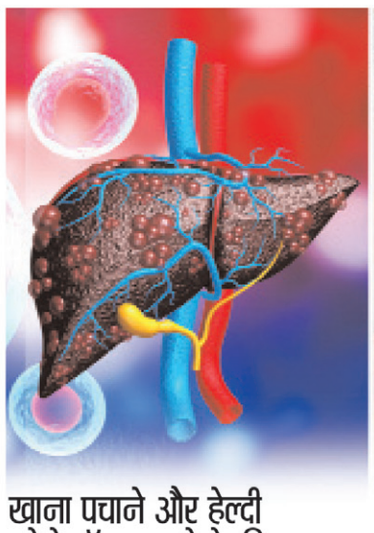

साइलेंट किलर है हेपेटाइटिस बी

खाना पचाने और हेल्दी कोलेस्ट्रॉल बनाने के लिए लिवर जरूरी है। मगर हेपेटाइटिस बी के कारण कुछ ही दिनों में यह फेल हो सकता है, इसलिए इन लक्षणों को कभी नजरअंदाज ना करें।

पेट के ठीक ऊपर हमारा लिवर होता है, जो खाना पचाने में मदद करता है। बहुत कम लोग जानते हैं कि ये अंग शरीर में हेल्दी कोलेस्ट्रॉल का निर्माण भी करता है, जो कि गंदे कोलेस्ट्रॉल को भी निकालता है। लिवर का स्वस्थ रहना हमारी सेहत के लिए बहुत जरूरी है। हेपेटाइटिस एक वायरल इंफेक्शन है, जिसके कई सारे टाइप होते हैं। जो कि लिवर के टिश्यू में इंफ्लामेशन आने से होता है। डब्ल्यूएचओ कहता है कि हेपेटाइटिस का बी वायरस इसका सबसे खतरनाक प्रकार है और यह जानलेवा साबित हो सकता है। यह बिना बताए लिवर इतना खराब कर देता है कि अंग फेल भी हो सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन कहता है कि अधिकतर लोगों में हेपेटाइटिस बी की शुरुआत होने पर कोई लक्षण नहीं दिखता है। जिसकी वजह से इसे पकड़ना काफी मुश्किल हो जाता है और इस वायरस से लिवर सिरोसिस व लिवर कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। बता दें कि इसके लक्षण दिखने में 30 से 180 दिन लग सकते हैं और तबतक बीमारी काफी बढ़ जाती है।

नजरअंदाज ना करें ये चीजें

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक ही कुछ लोगों में या बीमारी के गंभीर होने पर मरीज को कुछ दिक्कतें होने लगती हैं, जिसे अधिकतर लोग आम समझ लेते हैं। मगर इन्हें नजरअंदाज करना भारी हो सकता है, इसलिए इन लक्षणों के दिखने पर डॉक्टर के पास जरूर जाएं।

हेपेटाइटिस बी के लक्षण

- त्वचा पीली पड़ना
- आंखें पीली होना
- पेशाब का रंग बदलना
- बहुत ज्यादा थकान होना
- जी मिचलाना
- उल्टी
- पेट में दर्द होना

कुछ ही दिनों में फेल हो सकता है लिवर

हेपेटाइटिस बी का इलाज ना करवाने पर कुछ लोगों में एक्यूट लिवर फेलियर हो सकता है। ये समस्या काफी घातक होती है, क्योंकि इसकी वजह से कुछ ही दिनों या हफ्तों में लिवर काम करना पूरी तरह बंद कर देता है।

गर्भवती महिला और नवजात को अधिक खतरा

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन बताता है कि डिलीवरी के दौरान महिला से शिशु को हेपेटाइटिस बी होना काफी आसान है। वहीं, 5 साल तक के बच्चों को भी इसका खतरा अधिक होता है।

हेपेटाइटिस बी कैसे फैलता है?

यह खतरनाक वायरस संक्रमित खून, सुई, टैटू, कान-नाक छिदवाना या सेमिनल फ्लूइड के संपर्क में आने से फैलता है। इसका वायरस शरीर से बाहर 7 दिनों तक जिंदा रह सकता है।

अपच और बदहजमी से बचाती है हरण

बदहजमी एक ऐसी समस्या बन गई है, जिससे हर दूसरा व्यक्ति परेशान है। इसकी वजह है शारीरिक गतिविधि में कमी के कारण भोजन का सही तरह से पाचन ना हो पाना और शरीर से वायु तथा अपशिष्ट पदार्थों का पूर्ण रूप से बाहर ना आ पाना। इस स्थिति में शारीरिक गतिविधियों की कमी के चलते बदहजमी और अपच की समस्या लगातार बढ़ रही है।

जगह की कमी है तो क्या करें?

- हर समय ना तो हमारे शरीर में इतनी ताकत होती है कि हम घर की बालकनी या लॉबी में ही चहलकदमी कर सकें और मेट्रो सिटीज के ज्यादातर घरों में इतनी जगह होती ही नहीं है कि आप वहां फिजिकल ऐक्टिविटीज करने के बारे में सोच सकें। लेकिन पाचन सही रखने के लिए तो ऐक्टिव रहना जरूरी हैअब क्या करें?
- अगर पाचन कमजोर पड़ा तो संक्रमण को हावी होने में समय नहीं लगेगा। इस स्थिति में जरूरी है कि कुछ ऐसे काम किए जाएं, जो आसान भी हों और प्रभावी भी। तो इनमें पहला काम है हरड़ चूसना और दूसरा काम है वज्रासन में बैठना।
- अगर आप भी घर में स्पेस की कमी के चलते खुद को फिजिकली ऐक्टिव नहीं रख पा रहे हैं तो हरड़ और वज्रासन आपके पाचन को सही रखने में आपके लिए सहायक रहेंगे।
- आप खाना खाने के बाद हरड़ की एक गोली लेकर उसे टॉफी की तरह चूसते रहें। साथ ही इस दौरान वज्रासन में बैठे रहें। इससे आपके पेट में अतिरिक्त गैस और फैट जमा नहीं होगा। ये दोनों चीजें आपको बदहजमी से बचाएंगी और पाचन को सही रखने में मदद करेंगी।

कहां मिलेगी हरड़?

- हरड़ आपको किसी भी उस मेडिकल स्टोर पर मिल सकती है, जहां आयुर्वेदिक दवाएं मिलती हैं। इसके साथ ही इंडियन फूड स्टोर्स पर भी आपको हरड़ आराम से मिल जाएगी।
- यह स्वाद में किसी हल्की मसालेदार टॉफी की तरह होती है और इसमें हल्का कसैला स्वाद भी होता है। आप इसे चूसकर खाएंगे तो जल्द लाभ होगा यदि दिक्कत हो तो आप इसे फटाफट चबाकर खाएं और फिर एक-दो घूंट पानी पी लें।

विटामिन-सी की कमी को पूरा करेंगे ये 5 फल

शरीर को वक्त-वक्त पर हर तरह के विटामिन की जरूरत पड़ती है। शरीर में इसकी कमी होने पर उसका असर हेल्थ पर पड़ने लगाता है और काम पर भी प्रभाव पड़ने लगता है। हालांकि भारत जैसे देश में हर चीज के कई सारे विकल्प मौजूद होते हैं इसलिए अधिक परेशानी भी नहीं होती है। लेकिन कहते हैं संतरे में विटामिन सी की प्रचुर मात्रा पाई जाती है लेकिन अगर वह नहीं मिलते हैं तो अन्य फलों का सेवन कर सकते हैं। इससे आपको विटामिन सी की कमी नहीं होगी। तो आइए जानते है संतरे के बजाए किन फलों से विटामिन-सी बढ़ता है

- **मनुक्का दाख**- मनुक्का से खून जरूर बढ़ता है। साथ ही इसमें मौजूद तत्व में विटामिन सी की मात्रा भी पूरी होती है। इसलिए आप इसे पानी में गलाकर इसका सेवन कर सकते हैं। कमजोरी लगने पर आप मनुक्का पर काला नमक लगाकर भी खा सकते हैं।
- **अंगूर**- जी हां, अंगूर में भी विटामिन सी की भरपूर मात्रा पाई जाती है। इसके सेवन से टीबी और कैंसर जैसी बीमारी में भी निजात मिलती है। संतरे की जगह पर आप इसे आराम से खा सकते हैं।
- **नींबू**- नींबू को संतरे का पर्याय कहना गलत नहीं होगा। जी हां, इसमें अधिक मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है। कई बार नींबू खाने मात्र से हड्डियां और मांसपेशियां दुखने में आराम मिलता है।
- **स्ट्रॉबेरी**- इसमें विटामिन सी की 847 मिलीग्राम मात्रा पाई जाती है। इसके सेवन से आपको काफी राहत मिलेगी। डॉक्टर भी इसका सेवन करने की सलाह देते हैं।
- **ब्रोकली**- आज के टाइम में यह काफी ट्रेंडिंग फूड बन गया है। यूथ इसका सेवन बड़े शौक से करते हैं। इसमें करीब 132 मिली ग्राम विटामिन सी पाया जाता है। इसके सेवन से कई जानलेवा बीमारियों से भी निजात मिलती है।

घरेलू उपचार से कब्ज की समस्या का छुटकारा

कब्ज की समस्या को दूर करने के लिए यहां पर आपको ऐसे घरेलू नुस्खे के बारे में बताया जाएगा, जिसका सेवन करने से आपको प्रभावी रूप से फायदा मिलेगा। इतना ही नहीं, इसके दुष्प्रभाव का जोखिम भी काफी कम है।

कब्ज एक ऐसी समस्या है जो आजकल न केवल बुजुर्गों को बल्कि युवाओं को भी परेशान करने लगी है। खान-पान में अनियमितता और डायट में गड़बड़ी के कारण आपको भी कभी न कभी कब्ज की समस्या से जूझना पड़ा होगा। इस समस्या से निजात पाने के लिए कई प्रकार के घरेलू नुस्खे आप जानते होंगे। लेकिन आज यहां आपको एक खास नुस्खे के बारे में बताया जाएगा, जो थोड़ी ही देर में फायदा पहुंचा सकता है। इस नुस्खे को तैयार करने के लिए आप किचन में ही मौजूद सामग्रियों का उपयोग कर सकते हैं। इसके साथ-साथ इसका सेवन करने से आपको किसी प्रकार के गंभीर जोखिम का खतरा भी न के बराबर होता है। आइए अब इसके बारे में अब विस्तारपूर्वक बताते हैं.इस घरेलू नुस्खे को तैयार करने के लिए यहां पर आपको सबसे पहले सामग्री और उसे तैयार करने की विधि के बारे में बताया जा रहा है।

सामग्री - 2 गिलास पानी, चम्मच जीरा, चुटकी भर काला नमक

बनाने की विधि - सबसे पहले पानी में जीरे को लगभग 5 मिनट तक उबालें। इस पानी को छानकर एक गिलास में रखें और ऊपर से चुटकी भर नमक मिलाएं। हल्का ठंडा हो जाने पर घूंट-घूंट कर इसका सेवन करें।

संक्षिप्त समाचार

जेलेंस्की के बाद क्या पुतिन से फिर बात करेंगे?

वाशिंगटन, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष साढ़े तीन साल से अधिक समय से जारी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप शांति बहाली के प्रयास कर रहे हैं। ताजा घटनाक्रम में उन्होंने व्हाइट हाउस में टेक लीडर्स डिनर के दौरान रूसी समकक्ष से एक और मुलाकात के संकेत दिए। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जब पूछा गया कि क्या वे यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदिमिर जेलेंस्की से बातचीत के बाद जल्द ही रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी बात करेंगे? इस पर ट्रंप ने कहा, हां, हमारा बहुत अच्छा संवाद हो रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक डिनर के दौरान ट्रंप अपनी पत्नी और अमेरिका की फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप और दिग्गज सोशल मीडिया कंपनी- मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग के बीच बैठे थे। मेलानिया ने नए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एजुकेशन टास्क फोर्स को लेकर हुई बैठक की अध्यक्षता की। ट्रंप ने उद्योगपतियों से अमेरिकी निवेश पर चर्चा की। जुकरबर्ग ने 2028 तक 600 अरब डॉलर निवेश का अनुमान जताया।

ब्राजील में मुठभेड़, पुलिस ने मार गिराए आठ गैंग सदस्य

रियो डी जनेरियो , एजेंसी। ब्राजील के रियो डी जनेरियो में पुलिस ने एक ड्रग तस्करी गिरोह पर छापेमारी के दौरान हुई मुठभेड़ में आठ गैंग सदस्यों को मार गिराया। एनकाउंटर के बाद एक पादरी व एक बच्चे को बंधक से मुक्त करा लिया गया। कार्रवाई का लक्ष्य प्योर थर्ड कमांड गिरोह और उसका सरगना कोरोनेल था, जिस पर एक महिला की हत्या का आरोप है। पुलिस ने बताया कि कुछ अपराधियों ने बस को बैरिकेड बनाने की कोशिश की, जिनमें से दो को गिरफ्तार किया गया। मुठभेड़ में चार राइफलें बरामद हुईं। गोलीबारी से स्कूल बंद हो गए, यातायात बाधित हुआ और शहर में दहशत का माहौल बन गया।

कांगो में इबोला का संक्रमण फैला, 15 की मौत

किंशासा , एजेंसी। मध्य अफ्रीकी देश कांगो के स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि वहां इबोला का संक्रमण फैल गया है और इसकी चपेट में आए 28 लोगों में से 15 लोगों की मौत हो गई है। कांगो में 16वीं बार है, जब इबोला का संक्रमण फैला है। इस बीमारी में मृत्यु दर करीब 53 प्रतिशत है, जो हालात की गंभीरता दर्शाती है। कांगो के बौलापे में इबोला से 14 और म्वेका में एक मरीज की मौत हुई है। मरने वालों में चार स्वास्थ्यकर्मी हैं। इबोला के लक्षणों में बुखार, उल्टी, दस्त और भारी रक्तस्राव जैसे लक्षण दिखाई दिए। इबोला वायरस बेहद संक्रामक है और उल्टी, रक्त या वीर्य जैसे शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से फैल सकता है। इससे संक्रमित मरीज की जान जाने का खतरा रहता है।

नारीवादी कार्यकर्ता को ईशनिंदा में ढाई साल जेल

रबात , एजेंसी। मोरक्को की एक अदालत ने प्रख्यात नारीवादी और एलजीबीटीक्यू अधिकार कार्यकर्ता इब्तिस्साम लश्गार को ईशनिंदा का दोषी ठहराते हुए ढाई साल की कैद और 5,000 डॉलर का जुर्माना सुनाया है। फैसले ने मोरक्को में बहस छेड़ दी है। जहां कुछ लोग इसे सही मान रहे हैं, वहीं कुछ इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर खतरा बता रहे हैं। लश्गार पर आरोप था कि उन्होंने ऐसी टी-शर्ट पहनकर सेल्फी साझा की, जिस पर लिखे संदेश को इस्लाम व राजशाही का अपमान माना गया।

ट्रंप की अमेरिकी कांग्रेस पर और मजबूत हुई पकड़

वाशिंगटन, एजेंसी। ग्रीष्मकालीन अवकाश के अंतिम दिनों में रिपब्लिकन राष्ट्रीय समिति के मुख्यालय में सभी स्टाफ सदस्यों की बैठक हुई। यह सिर्फ सामान्य सियासी रणनीतिक नहीं, बल्कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कांग्रेस पर गहरी पकड़ का प्रदर्शन था। ट्रंप की राजनीतिक टीम ने रिपब्लिकन स्टाफ को सुबह वन ब्यूटीफुल बिल एक्ट व आगामी मध्यावधि चुनाव के मुद्दे पर बैठक में बुलाया। इस बैठक में रिपब्लिकन बहुमत (सांसद) एक शक्तिशाली कार्यपालिका के इशारों पर चलता दिखाई दिया।

सीनेट समिति की केनेडी से पूछताछ

कोरोना वैक्सीन पर अपने रुख का किया बचाव किया; ट्रंप बोले- उसकी नीयत अच्छी

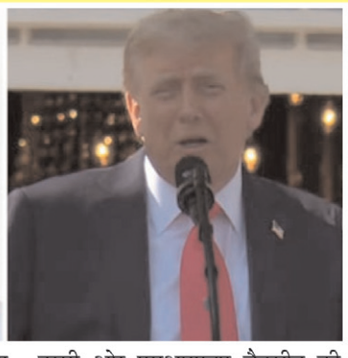

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. केनेडी जूनियर को गरुवार को सीनेट की समिति के सामने तीखे सवालों का सामना करना पड़ा। तीन घंटे तक चले सवाल-जवाब में केनेडी ने कोरोना वैक्सीन पर अपने रुख का बचाव किया। उन्होंने उन आरोपों पर भी सफाई दी, जिनमें कहा जा रहा था कि उनके फैसलों से संघीय स्वास्थ्य एजेंसियों में अशांति फैल गई है।

केनेडी ने समिति को बताया कि उन्हें रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) की पूर्व निदेशक पर भरोसा नहीं था। उन्होंने वैक्सीन के खिलाफ अपने पुराने बयानों को जायज ठहराया और उन खबरों का खंडन किया, जिनमें कहा जा रहा था कि कोरोना वैक्सीन लेने से लोगों को परेशानी हो रही है। केनेडी लंबे समय से वैक्सीन विरोधी आंदोलन के प्रमुख चेहरा रहे हैं। उन्होंने स्वास्थ्य नीतियों और वैज्ञानिक शोध के लिए जिम्मेदार एजेंसियों में बड़े बदलाव किए हैं। इनमें हजारों कर्मचारियों की छंटनी, वैज्ञानिक सलाहकारों को हटाना और वैक्सीन से जुड़े दिशानिर्देशों में बदलाव करना भी शामिल है।

उनके इन कदमों से कई डेमोक्रेटिक पार्टी शासित राज्यों की स्वास्थ्य संस्थाओं की चिंता बढ़ गई है। कई चिकित्सा संगठनों और कांग्रेस (संसद) के डेमोक्रेट सांसदों ने केनेडी को पद से हटाने की मांग की है। समिति के सामने पूछताछ के दौरान डेमोक्रेट सांसदों और केनेडी के बीच तीखी बहस हुई।

हालांकि, कुछ रिपब्लिकन सांसदों ने भी कोविड नीति में बदलाव पर चिंता जताई। रिपब्लिकन सांसदों ने याद दिलाया कि केनेडी ने एक ओर तो ट्रंप को ऑपरेशन वार्प स्पीड (कोविड वैक्सीन को तेजी से विकसित करने और उसे लोगों तक पहुंचाने का सरकारी कार्यक्रम) के लिए नोबेल पुरस्कार का हकदार बताया था। वहीं, दूसरी ओर एमआरएनए वैक्सीन की सुरक्षा और इस्तेमाल पर सवाल उठाए थे। यानी केनेडी एक तरफ ट्रंप की तारीफ कर रहे हैं और दूसरी दरफ उसी वैक्सीन पर सवाल उठा रहे हैं, जो ट्रंप की सरकार में बनाई गई थी।

नॉर्थ कैरोलिना से रिपब्लिकन पार्टी के सांसद थॉम टिलिस ने कहा, यह समझ में नहीं आता कि आप ऑपरेशन वार्प स्पीड का समर्थन करते हैं या विरोध। टिलिस और अन्य सांसदों ने केनेडी से पूछा कि हाल ही में सीडीसी की नई निदेशक को क्यों हटाया गया, जबकि वह केवल एक महीने पहले पद पर आई थीं। केनेडी ने जवाब दिया कि निदेशक ईमानदार नहीं थीं और उनके समर्थन में इस्तीफा देने वाले सीडीसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी पद छोड़ने लायक थे। इन सांसदों ने सीडीसी की लॉकडाउन और मास्क लगाने जैसी नीतियों की आलोचना की और दावा किया कि ये कदम बीमारी को रोकने में विफल रहे। केनेडी ने कहा, जिन अधिकारियों ने केवल बच्चों को मास्क पहनाए, स्कूल बंद किए, उन्हें अब एजेंसी बाहर करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि इन अधिकारियों ने क्रोनिक बीमारियों को रोकने के लिए पर्याप्त काम नहीं किया। बाद में जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या उन्हें केनेडी पर पूरा भरोसा है, तो राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने यह पूछताछ नहीं देखी, लेकिन उनका मानना है कि केनेडी की नीयत अच्छी है। ट्रंप ने कहा, उनका अलग दृष्टिकोण है, लेकिन हमें हर दृष्टिकोण को देखना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि यह पारंपरिक बातें नहीं हैं औ यह स्वास्थ्य से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने कहा कि वह इस बात की सराहना करते हैं कि केनेडी अलग दृष्टिकोण रखते हैं। सीनेट की वित्त समिति ने अमेरिका को फिर से स्वस्थ बनाने की योजना पर चर्चा के केनेडी को बुलाया था, लेकिन डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों ने ज्यादातर सवाल उनकी कोरोा वैक्सीन से जुड़ी नीति को लेकर पूछे।

छुपकर स्विट्जरलैंड गई महिला ने अपनाया दर्दनाक फैसला

स्विट्जरलैंड , एजेंसी। आयरलैंड की 58 वर्षीय मॉरीन स्लो ने परिवार को छुट्टियों पर जाने का झूठ बोलकर चुपचाप स्विट्जरलैंड जाकर सहायता प्राप्त आत्महत्या कर ली। मॉरीन ने इस प्रक्रिया के लिए करीब 17 लाख रुपये खर्च किए और महज दो दिन में अपनी जिंदगी समाप्त कर ली। उनके इस अचानक और गुप्त फैसले ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है और स्विट्जरलैंड की संस्था पेगासस की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

8 जुलाई को मॉरीन ने अपने परिवार को बताया था कि वह एक दोस्त के साथ छुट्टियां मनाने लिथुआनिया जा रही हैं। लेकिन वास्तव में वह अकेले स्विट्जरलैंड के लिस्टल शहर में स्थित पेगासोस नामक एक गैर-लाभकारी संस्था के पास गईं, जो असिस्टेड सुसाइड की सुविधा देती है। मॉरीन ने इसके लिए लगभग 15,000 पाउंड (करीब ?17.76 लाख) का भुगतान किया था। हैरान करने वाली बात यह है कि संस्था ने महज दो दिनों में उन्हें आत्महत्या की अनुमति दे दी। मॉरीन की मौत की जानकारी परिवार को तब मिली जब उनकी एक करीबी दोस्त ने 9 जुलाई की रात 10 बजे के करीब उनकी बेटी मेगन रॉयल को एक मैसेज भेजा। मेगन ने आयरिश इंडिपेंडेंट से कहा-मैं अपने बच्चे के साथ बिस्तर पर थी, तभी मेरी मां की एक दोस्त का मैसेज आया कि मेरी मां स्विट्जरलैंड में हैं और आत्महत्या करना चाहती हैं। मैं डर गई थी। मेगन ने तुरंत अपने पिता को इसकी सूचना दी और उन्होंने मॉरीन से संपर्क करने की कोशिश की। फोन पर बात करते हुए मॉरीन ने कहा कि वह वापस आ जाएंगी, लेकिन अगले दिन दोपहर 1 बजे संस्था से एक व्हाट्सएप मैसेज मिला जिसमें बताया गया कि मॉरीन की मृत्यु हो चुकी है। उसी मैसेज में यह भी बताया गया कि उनकी अस्थियां 6-8 सप्ताह के भीतर डाक से भेजी जाएंगी।

दुबई में दिखा डॉली चायवाला का जलवा! लड़कियों की भीड़ देख लोग बोले- डिग्री का अचार डाल लो

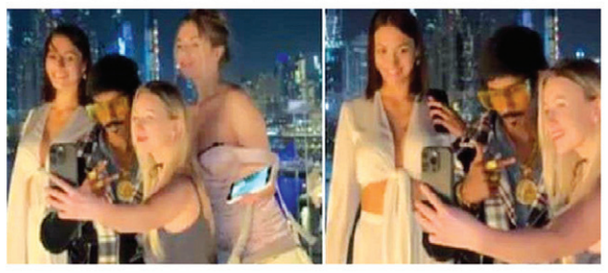

दुबई, एजेंसी। रंग-बिरंगे बाल, अतरंगी स्टाइल और चाय बनाने का अनोखा अंदाज... डॉली चायवाला आज सिर्फ एक चाय बेचने वाला नहीं बल्कि एक सेलिब्रिटी बन चुका है। सोशल मीडिया की ताकत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि जो डॉली कल तक ग्राहकों को बुलाकर चाय पिलाता था आज लोग उसके साथ एक फोटो खिंचवाने के लिए कतार में खड़े हैं। हाल ही में डॉली चायवाला का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। यह वीडियो दुबई का है जहां डॉली चायवाला को देखने और उसके साथ तस्वीरें लेने के लिए खूबसूरत अमीराती लड़कियों की भीड़ लगी हुई है। वीडियो में डॉली सूट-बूट पहने और सोने के लॉकेट व अंगूठियां पहनकर एक बॉलीवुड सेलिब्रिटी की तरह लड़कियों के बीच पोज देता नजर आ रहा है। बिल गेट्स को चाय पिलाने के बाद डॉली की लोकप्रियता में जबरदस्त इजाफा हुआ है। अब वह सिर्फ भारत में नहीं बल्कि विदेशों में भी काफी लोकप्रिय हो गया है। यह वायरल वीडियो सोशल मीडिया पर बहस का मुद्दा बन गया है।

युद्धविराम के बाद यूक्रेन में सैनिक तैनात करने के लिए 26 देश तैयार, सुरक्षा गारंटी पर पेरिस में हुई बैठक

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और यूरोपीय नेताओं ने गुरुवार को पेरिस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नियुक्त विशेष दूत स्टीव विटकोफ के साथ बैठक की। इसमें युद्धग्रस्त यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी पर चर्चा की गई।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बताया कि युद्धविराम के बाद यूक्रेन अपने सैनिक तैनात करने के लिए 26 देश तैयार हैं। यह बैठक यूक्रेन में रूसी हमलों के बीच हुई। रूसी वायुसेना ने बताया कि बीती रात रूस ने यूक्रेन में 112 ड्रोन से हमले किए। इनमें से 84 ड्रोन को मार गिराया गया।

ट्रंप के विशेष दूत ने युद्धविराम की स्थिति पर चर्चा की: यूक्रेनी राष्ट्रपति के प्रेस सचिव सेरही निकीफोरोव के अनुसार, जेलेंस्की और विटकोफ के बीच अलग से बैठक भी हुई। ट्रंप के विशेष दूत ने युद्धविराम की स्थिति में यूक्रेन के लिए सहायता के अलावा सैन्य समर्थन की योजनाओं का खाका तैयार करने के लिए यूरोपीय नेताओं की बैठक बुलाई थी।

यूक्रेन के समर्थन में गठबंधन की अगुआई करने वाले मैक्रों और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर ने कहा कि यूक्रेन में किसी यूरोपीय बल की मौजूदगी के लिए अमेरिका के समर्थन की जरूरत है।

26 देश एक अंतरराष्ट्रीय बल में शामिल होने के लिए तैयार: मैंकों ने बैठक के बाद जेलेंस्की के साथ पत्रकारों को बताया कि रूस के साथ शांति समझौता होने की स्थिति में यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी के तहत 26 देश एक अंतरराष्ट्रीय बल में शामिल होने के लिए तैयार हैं। इधर, जर्मनी ने यूक्रेनी बलों के लिए फंडिंग और ट्रेनिंग बढ़ाने के लिए सहमति जताई है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को यूरोपीय नेताओं से कहा कि यूरोप को रूस से तेल खरीदना बंद करना चाहिए, क्योंकि इससे मास्को को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध के लिए धन जुटाने में मदद मिल रही है। जबकि ट्रंप ने बुधवार को कहा कि वह रूस और यूक्रेन के बीच शांति समझौते के लिए प्रतिबद्ध हैं।

ट्रंप और पुतिन की पिछले महीने अलास्का में बातचीत हुई थी: उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उनके यूक्रेनी समकक्ष वोलोदिमीर जेलेंस्की के बीच सीधी वार्ता की संभावना पर अनिश्चितता के बादल छाए हैं। ट्रंप और पुतिन की पिछले महीने अलास्का में बातचीत हुई थी।

राष्ट्रपति माइली के एजेंडे को बड़ा झटका, सीनेट में विकलांगता से लाभ पर वीटो 63-7 से खारिज

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। अर्जेंटीना की सीनेट ने राष्ट्रपति जेवियर माइली के विकलांगता लाभ बढ़ाने वाले कानून पर लगाया गया वीटो खारिज कर दिया है। यह माइली के राष्ट्रपति पद के दौरान पहली बार कांग्रेस द्वारा उनके वीटो को उलटने वाला मामला है। उच्च सदन ने 63-7 के बहुमत से इस फैसले को मंजूरी दी, जो जरूरी दो-तिहाई से कहीं अधिक है।

मीडिया रिपोर्ट की माने तो विकलांगता लाभ बढ़ाने वाले इस नए कानून से देश के खर्च में बढ़ोतरी होगी, लेकिन इसके समर्थक इसे विकलांग परिवारों के जीवन के लिए जरूरी मानते हैं। सीनेटर अलेजांद्रा विगो ने कहा कि यह खर्च परिवारों के लिए जीवन और निराशा के बीच का फर्क तय करेगा।

देखा जाए तो यह हार माइली के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि उनकी सरकार पहले से ही भ्रष्टाचार के एक मामले और कमजोर होती अर्जेंटीना की मुद्रा पेसो से जूझ रही है। खासकर, उनके करीबी लोगों पर विकलांगता एजेंसी में रिश्वत लेने के आरोप लगे हैं। इसके अलावा, केंद्रीय बैंक ने आर्थिक स्थिति को संभालने के लिए ब्याज दरें बढ़ानी पड़ी हैं।

पिछले महीने किए थे ये प्रस्ताव पास: बता दें कि पिछले महीने भी सीनेट ने स्वास्थ्य सेवा और विश्वविद्यालयों पर खर्च बढ़ाने वाले दो अन्य बिल पास किए थे, जो माइली के बजट संतुलन की योजना के लिए चुनौती हैं। कई सर्वेक्षणों में उनकी लोकप्रियता 40 प्रतिशत से नीचे गिर गई है, जिससे उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

अर्जेंटिना में प्रांतीय चुनाव से बाजार में हलचल: अर्जेंटीना में आर्थिक अनिश्चितता के बीच, रविवार को ब्यूनस आयर्स में प्रांतीय चुनाव होने जा रहे हैं, जो राष्ट्रीय राजनीति पर ज्यादा असर नहीं डालेंगे, लेकिन बाजारों में हलचल बढ़ा सकते हैं। कारण है कि राष्ट्रपति माइली की पार्टी 'ला लिबर्टाड अवांजा' के पास संसद में बहुत कम सीटें हैं, इसलिए उन्हें अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए और समर्थन जुटाना होगा।

नेपाल में बड़ा डिजिटल स्ट्राइक

फेसबुक-यूट्यूब समेत 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बंद

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल सरकार ने फेसबुक, ट्विटर (एक्स), यूट्यूब समेत कुल 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बंद करने का फैसला किया है। यह निर्णय मंत्रि परिषद की बैठक तथा सुप्रीम कोर्ट के परमादेश के कार्यान्वयन स्वरूप सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को लिया। सूत्रों के अनुसार मंत्रालय में हुई बैठक में नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण को इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को तत्काल प्रभाव से बंद करने के लिए पत्राचार किया गया है।

यदि ये सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म नेपाल में आधिकारिक रूप से पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करते हैं तो उन्हें क्रमशः पुनः संचालन की अनुमति दी जाएगी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने बिना अनुमति संचालित सोशल मीडिया, ओवर द टॉप एप्स और इंटरनेट ब्राउजर के माध्यम से विज्ञापन सहित प्रसारित सामग्री पर रोक लगाने तथा इनके नियमन हेतु आवश्यक कानून बनाने का आदेश सरकार को दिया था।

जस्टिस टेकप्रसाद ढुंगाना और जस्टिस शांति सिंह थापा की पीठ ने बुधवार को यह परमादेश जारी करते हुए कहा था कि विदेशी प्रसारण संस्थाओं को नेपाल में प्रसारण के लिए अनुमति लेनी होगी तथा सरकार को इसके लिए कानून निर्माण करना अनिवार्य है।

ट्रम्प की डिनर पार्टी में शामिल हुए दिग्गज टेक बिजनेसमैन

मस्क को न्योता नहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति बोले- ये हाई आईक्यू ग्रुप

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार रात व्हाइट हाउस में टेक बिजनेसमैन के लिए डिनर रखा। इसमें गूगल सीईओ सुंदर पिचाई, मेटा सीईओ मार्क जुकरबर्ग, ओपन एआई सीईओ सेम ऑल्टमैन, समेत कई दिग्गज उद्योगपति शामिल हुए। हालांकि, टेस्ला सीईओ इलॉन मस्क को न्योता नहीं दिया गया । ट्रम्प ने कहा- ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था, जब इतने सारे बुद्धिजीवी एकसाथ मिले हों। उन्होंने इस टीम को हाई आईक्यू ग्रुप कहकर संबोधित किया। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी के मुताबिक यह डिनर प्रेसिडेंट हाउस के रोज गार्डन में होना था, लेकिन मौसम खराब होने के कारण यह स्टेट डाइनिंग रूम में किया गया।

मस्क को नहीं मिला न्योता

मस्क कुछ महीने पहले तक ट्रम्प के सलाहकार

थे, लेकिन अब दोनों के बीच दूरियां बढ़ गई हैं। इस डिनर में जेरेड इसाकमैन भी रहे। इसाकमैन ही वह शख्स हैं जिनकी वजह से मस्क और ट्रम्प के बीच दूरियां आनी शुरू हुईं। इसाकमैन मस्क के करीबी सहयोगी रहे हैं। उन्हें ट्रम्प ने स्पेस एजेंसी नासा की लीडरशिप के लिए चुना था। जब ट्रम्प और मस्क के बीच दूरी आ गई, तो इसाकमैन का नॉमिनेशन रद्द कर दिया गया।

मेलानिया ट्रम्प ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की

डिनर का आयोजन व्हाइट हाउस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) शिक्षा पर बनी नई टास्क फोर्स की बैठक के बाद हुई। टास्क फोर्स का मकसद अमेरिकी युवाओं के लिए दृढ़ शिक्षा का विकास करना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता मेलानिया ट्रम्प ने की। मेलानिया ने कहा कि एआई अभी शुरुआती दौर में है, इसलिए इसके साथ वैसा ही व्यवहार करना होगा जैसा बच्चों के साथ किया जाता है। इसे सतर्कता के साथ जिम्मेदार बनाना होगा। मेलानिया ने कहा कि हम एक खास समय में जी रहे हैं। बच्चों को इस भविष्य के लिए तैयार करना हमारी जिम्मेदारी है। पिछले महीने, मेलानिया ने के-12 ग्रेड के छात्रों के लिए एक राष्ट्रीय प्रतियोगिता शुरू की, जिसमें एआई का उपयोग करके चुनौतियों का समाधान करने को कहा गया। हालांकि, उन्होंने एआई के नुकसान पर भी ध्यान दिया। मेलानिया ने इस साल एआई-जनरेटेड डीपफेक इमेज का इस्तेमाल कर ऑनलाइन यौन शोषण करने वालों के खिलाफ कानून बनाने की मांग की थी।

खराब मौसम के कारण इस डिनर का प्लान अचानक बदला था। पहले जहां ये डिनर होने वाला था, व्हाइट हाउस ने उस जगह को 'रोज गार्डन क्लब' नाम दिया है। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता डेविस इंगले ने इसे सिर्फ राजधानी वॉशिंगटन ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की सबसे आकर्षक जगह बताया।

इंगले ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रम्प चाहते थे कि रोज गार्डन का भव्य उद्घाटन किसी खूबसूरत दिन हो। इसके लिए गार्डन में बड़े बदलाव किए गए हैं। घास हटाकर उसकी जगह पत्थर बिछा दिए गए हैं, जिससे यह जगह फ्लोरिडा के मार-ए-लागो रिसॉर्ट के आंगन जैसी लगती है।

इस काम की खुद राष्ट्रपति ने कई बार जांच की और मजदूरों से मुलाकात की। एक बार तो उन्होंने मजदूरों को ओवल ऑफिस में बुलाकर फोटो भी खिंचवाई। ट्रम्प ने कहा कि रोज गार्डन बनाने में दुनिया का सबसे खूबसूरत संगमरमर और पत्थर का इस्तेमाल किया गया है।

सीएम स्टालिन ने ऑक्सफोर्ड में पेरियार के चित्र का अनावरण किया

ऑक्सफोर्ड, एजेंसी। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने ब्रिटेन की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी ऑक्सफोर्ड में समाज सुधारक ई.वी रामासामी पेरियार के चित्र का अनावरण किया। आत्म सम्मान आंदोलन की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सीएम स्टालिन ने भी शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान स्टालिन ने कहा कि पेरियार के चित्र का ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में, जो ज्ञान, मानवाधिकार और गरिमा का पर्याय है, अनावरण करना सबसे यादगार क्षण है और बड़े ही सम्मान की बात है।

खबर-खास

लायंस क्लब ऑफ दुर्ग सिटी ने की शिक्षकों के कार्यों की सराहना

दुर्ग (समय दर्शन)। लायंस क्लब ऑफदुर्ग सिटी द्वारा पोटियाकला वार्ड 53-54 में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राथमिक शाला, पूर्व माध्यमिक शाला पोटियाकला, बीएड के विद्यार्थियों एवं अजीज पब्लिक स्कूल के शिक्षको का सम्मान किया गया। सम्मान समारोह में कुल 19 शिक्षकों का सम्मान कर क्लब द्वारा उनके कार्यों की सराहना की गई। इस अवसर पर लायंस क्लब ऑफ दुर्ग सिटी अध्यक्ष आकांक्षा मिश्रा ने स्वागत भाषण दिया और अतिथियों व शिक्षकों का स्वागत किया। कार्यक्रम में परंपरानुसार जोन चेयरपर्सन सुमन पांडे की आधिकारिक यात्रा भी संपन्न कराई गई। जोन चेयरपर्सन सुमन पांडे का जीवन परिचय अनीता तिवारी ने पढ़ा। जोन चेयरपर्सन सुमन पांडे की मौजूदगी में एक जरूरतमंद को ट्राई साइकिल प्रदान की गई। कार्यक्रम का संचालन एमजेएफलायन रौनक जमाल ने किया। कार्यक्रम प्रभारी पीएमजेफ लायन ज्ञानचंद पाटनी थे। कार्यक्रम में लायंस क्लब दुर्ग सिटी के लायन पीएमजेएफसतीश सुराना, लायन अमर सिंह गुप्ता, लायन सुरिंदर पाल ढुलाई, लायन रश्मि अग्रवाल, लायन बृजमोहन खंडेलवाल, लायन रूपिंदर कालकेट, लायन सुनील अग्रवाल, लायन अनिल अरोड़ा, पूर्व शाला विकास समिति पोटियाकला अध्यक्ष भोजराम यादव, राकेश साहू, चंद्रशेखर साहू, विशाल साहू, शाला समिति अध्यक्ष मनीष साहू मौजूद रहे।

कृषि महाविद्यालय कटघोरा में दीक्षा आरंभ

कोरबा। कटघोरा स्थित कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र कोरबा में बीएससी कृषि ऑनर्स की डिग्री हेतु नवीन प्रवेशी छात्रों का दीक्षा आरंभ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को प्रथम दिन छात्र पालक अभिमुखीकरण से प्रारंभ किया गया। दीक्षा आरंभ कार्यक्रम के आयोजन में प्रथम वर्ष के नवीन छात्रों के साथ उनके पालक भी उपस्थित रहे।

कृषि महाविद्यालय के प्राध्यापक गण स्टाफएवं विशिष्ट अतिथि के रूप में कृषि विभाग कोरबा से उप संचालक देवेंद्र पाल सिंह कंवर, उद्यानिकी विभाग से उप संचालक उद्यान पतराम सिंह पैकरा एवं मत्स्य विभाग जिला उप संचालक के के बघेल रहे। अध्यक्षता डॉ एस एस पोर्ते अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र कटघोरा कोरबा के द्वारा किया गया। दीक्षा आरंभ में सर्वप्रथम कोर्स टीचर सहायक प्राध्यापक डॉ आशीष कुमार केरकट्टा के द्वारा एकेडमिक जानकारी देते हुए 4 साल के पढ़ाई के खाका को समझाते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विषय में सारगर्भित जानकारी दी गई एवं किस तरह से दीक्षाराम उपरांत सेमेस्टर के परीक्षाओं का आयोजन होगा इस संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने उत्कृष्ट शिक्षकों को ज्ञानदीप एवं शिक्षादूत पुरस्कार से किया सम्मानित

जिले के 70 सेवानिवृत्त शिक्षक और 20 विद्यालयों के प्राचार्य हुए अलंकृत

कवर्धा (समय दर्शन)। भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर मनाए जा रहे शिक्षक दिवस के अवसर पर कवर्धा में मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय रानी दुर्गावती चौक में आयोजित इस कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह में सितंबर 2024 से अगस्त 2025 के बीच सेवानिवृत्त हुए 70 शिक्षकों को शाल-श्रीफल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा सत्र 2024-25 में 100 प्रतिशत परिणाम देने वाले 20 विद्यालयों के प्राचार्यों का भी अभिनंदन किया गया।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि शिक्षक ही राष्ट्र निर्माण की सच्ची नींव हैं। शिक्षा केवल रोजगार का साधन नहीं, बल्कि संस्कार और जीवन मूल्यों की धरोहर है जिसे पीढ़ी दर पीढ़ी शिक्षक ही आगे बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक सफल व्यक्ति के पीछे किसी न किसी शिक्षक का मार्गदर्शन और प्रेरणा होती है। शिक्षक केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं रहते बल्कि जीवन जीने की कला और आदर्शों का भी संचार करते हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने और शिक्षकों को सम्मान देने के लिए लगातार प्रयासरत है। नई पीढ़ी को प्रतिस्पर्धी युग में आगे बढ़ाने के लिए शिक्षकों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के जीवन में अनुशासन, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा का बीजारोपण केवल शिक्षक ही कर सकते हैं। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी श्री एफ आर.वर्मा एवं सहायक संचालक यू.आर.चन्द्राकर , डी.जी.पात्रा एवं एम.आई.एस. प्रशासक सतीश यदु, डी.एम.सी. नकुल पनागर, विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी कवर्धा संजय जायसवाल सहित जिलेभर से बड़ी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी, शिक्षा अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण योजना अंतर्गत शिक्षादूत पुरस्कार प्राप्त करने वालों में श्रीमती रानी शर्मा, प्रधान पाठक शासकीय प्राथमिक शाला मैनपुर, प्रदीप कुमार चंद्रवंशी, प्रधान पाठक शासकीय प्राथमिक शाला चुचरूंगपुर, श्रीमती मधुलिका शर्मा, प्रधान पाठक शासकीय प्राथमिक शाला पालीगुड़ा, श्रीमती योगिता पटेल, सहायक शिक्षक शासकीय प्राथमिक शाला मोहगांव, कैलाश मरावी, सहायक शिक्षक शासकीय प्राथमिक शाला बड़ा चारभाटा, श्रीमती ज्योति मंडावी, सहायक शिक्षक शासकीय प्राथमिक शाला लाखाटोला, श्रीमती ललिता मेरावी, सहायक शिक्षक शासकीय प्राथमिक शाला जीताटोला, उमेश कुमार आदि उपस्थित थे।

राज्य स्तरीय नेहरू हॉकी प्रतियोगिता में महासमुंद संभाग ने जीता कांस्य पदक

महासमुन्द(समय दर्शन)। राज्य स्तरीय नेहरू हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन जशपुर में 04 से 07 सितंबर 2025 तक आयोजित किया जा रहा है।

महासमुंद जिले की 17 वर्ष बालक टीम में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेमचा महासमुंद की टीम शामिल हैं। जिले से हॉकी 17 वर्ष बालक टीम के खिलाड़ियों में शासकीय उ. मा. वि. बेमचा महासमुंद के राकेश निषाद, पुष्कर साहू, डोगेश निषाद, फ्लेश यादव, गणेश सेन, राजकुमार निषाद, देवेश कुमार चंद्राकर, सागर सेन, टोमेश चंद्राकर, सागर चंद्राकर, जय चंद्राकर, देवेंद्र ध्रुव, हर्ष कुमार बघेल, अरविंद विश्वकर्मा, प्रभात कोसरे, सेवक राम विश्वकर्मा शामिल हैं। महासमुंद के खिलाड़ियों ने रायपुर संभाग की टीम से खेलते हुए अपना पहला मैच बिलासपुर के विरुद्ध खेला जिसमें रायपुर ने बिलासपुर के विरुद्ध 4-1 से जीत दर्ज किया। मैच में पुष्कर, राकेश, टोमेश, डोगेश गोल कीपर गणेश सेन ने अच्छा प्रदर्शन कर जीत दिलाई। दूसरे मैच में दुर्ग से 12-0 से हार का सामना करना पड़ा, तीसरा मैच बस्तर से 9-0 से जीत हासिल किया। चौथा मैच सरगुजा से हारकर तीसरे स्थान प्राप्त किया। राज्य स्तरीय नेहरू हॉकी प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतने पर विधायक महासमुंद योगेश्वर राजू सिंहा, जिलाध्यक्ष भारत स्काउट एंड गाइड येतराम साहू, कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, येतराम साहू, जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरें, खेल अधिकारी, खेल एवं युवा कल्याण मनोज धृतलहरे, सहायक क्रीड़ा अधिकारी अंजलि बरमाल, विकासखंड शिक्षा अधिकारी लीलाधर सिंहा, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी हिना ढालेन, प्राचार्य बेमचा एस. आर. पाटकर, लखनू राम निर्मलकर, डॉ. सेवन दास मानिकपुरी, पी के ध्रुव, वाय एस बलिहार, नवीन चन्द्राकर, तुलेंद्र सागर, किरण पटेल, तारिणी कहार, कुन्ती दीवान, गंगा बंजारे, जुगनी गुंबर, अमृता कौर, आराधना साहू, रुक्मणी साहू, टाकेश्वर साहू, तृप्ति डेनियल, शहनाज बानो, हेमिन जलक्षत्री, खेमराज साहू, रेणु सिंह एवं समस्त व्यायाम शिक्षक, जिला हॉकी संघ पदाधिकारियों एवं खिलाड़ियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों की थाली से दाल गायब

जनसेविका हुलसी चंद्राकर ने लगाई फटकार

महासमुंद(समय दर्शन)। महिला बाल विकास विभाग के अंतर्गत बेलसोंडा(महासमुंद)स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में एक गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। स्थानीय जनसेविका और जनपद उपाध्यक्ष हुलसी चंद्राकर ने आज अचानक आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बच्चों को परोसे जा रहे भोजन की जांच की, जिसमें महत्वपूर्ण पोषक तत्व दाल गायब पाया गया। सरकार द्वारा बच्चों के पोषण के लिए पर्याप्त मात्रा में आहार सामग्री उपलब्ध कराने के बावजूद इस तरह की लापरवाही पर श्रीमती चंद्राकर ने गहरी नाराजगी व्यक्त की एवं उन्होंने कहा कि, सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं का उद्देश्य बच्चों को कुपोषण से मुक्ति दिलाना है, लेकिन कुछ लापरवाह कर्मचारियों की वजह से इन योजनाओं पर पानी फिर रहा है। जब चंद्राकर ने इस संबंध में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से जवाब मांगा तो उन्होंने गोलमोल बातें करते हुए कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दिया।

चिटफंड कंपनी के डायरेक्टर काली को गिरफ्तार करने में मिली कामयाबी

बालोद (समय दर्शन)। चिटफंड एवं धन परिचालन स्कीम पाबंदी अधिनियम, धारा 10 छत्तीसगढ़ निक्षेपको के हितो का संरक्षण अधिनियम के तहत को चिटफंड कंपनी के डायरेक्टरों द्वारा लोगो का पैसों का ब्याज ज्यादा देने के नाम पर करोड़ों रुपए का अपने कंपनी में निवेश करा कर धोखाधडी किया गया था । जिस पर प्रकरण में कई वर्षों से फरार आरोपी केजी पतासाजी हेतु साइबर और थाना बालोद से विशेष टीम बना कर निर्देशित किया गया था। टीम द्वारा आरोपी के संबंध में तकनीकी डेटा के आधार पर जानकारी एकत्र कर आरोपी की पुख्ता जानकारी होने पर विशेष टीम भुनेश्वर ओडिशा रवाना किया गया था। टीम वहां पहुंच कर कई दिन कैंप कर लोकल संनसूचना पर लोकल पुलिस की मदद से आरोपी की जानकारी प्राप्त कर आरोपी कालीप्रसाद मिश्रा को विधिवत गिरफ्तार कर जिला बालोद लाया गया । आरोपी अपने कथन में बताया कि वह एम0बी0ए0 तक का पढ़ाई किया है माईक्रोलिजिंग एण्ड फंडिग लिमिटेड, माईक्रोफाईनेंस कंपनी हेड ऑफिस भुनेष्वर(उड़िसा) का वर्ष 2004 से 2013-14 तक डारेक्टर रहा है। इस दौरान कंपनी के नियमानुसार छत्तीसगढ़ के बालोद जिला क्षेत्र में अपने एजेंट के माध्यम से विभिन्न निवेषको से लाभांष देने की बात बता कर करोडो़ रूपये कंपनी में जमा करवाये है। कंपनी ने जब जब भी निवेषको से रकम जमा करवाया और बाउंड पेपर में पावती दिए गए । सन् 2014 से 2016 के बीच कंपनी का जांच शासन के द्वारा करने लगा तब घबराकर उक्त कंपनी को जहॉ जहॉ ऑफिस खुला था उसे बंद कर दिये। आरोपी ने छत्तीसगढ़ में कंपनी की डायरैक्टरी से सन् 2013-2014 में रिजाईन दे दिया था, जब कंपनी के नाम पर छत्तीसगढ़ में कई जगह अपराध रजिस्टर्ड होने लगा तब से आरोपी गिरफ्तारी के भय से छीप कर रह रहा था। आरोपी कुछ पैसे अपने जान पहचान से उधार लेकर फिल्म लाईन में छोटे छोटे रिल्स बनाकर अपना जीवन यापन कर रहा है ।

चिटफंड के कई वर्षों से फरार आरोपी को पकड़ने में थाना प्रभारी बालोद निरीक्षक श्री शिशुपाल सिन्हा, उप निरीक्षक श्रीमती कमला यादव,साइबर सेल प्रभारी स.उ.नि. धरम भुआर्य, प्रधान आरक्षक रूमलाल चुरेंद्र,आरक्षक भोप साहू ,संदीप यादव,पुरण देवांगन, गुलझारी साहू ,रवि साहू का विशेष सराहनीय योगदान रहा।

साजा जनपद पंचायत अध्यक्ष जितेन्द्र साहू बने जनपद संघ के जिला अध्यक्ष

साजा (समय दर्शन)। बेमेतरा जिला के जनपद अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षों का बैठक बेमेतरा रेस्ट हाऊस में आयोजित किया गया। जिसमें संघ के संगठन निर्वाचन के संबंध में चर्चा किया गया तथा तथा चर्चा के उपरांत बेमेतरा जिला के चारों जनपद अध्यक्ष उपाध्यक्ष गणों ने जनपद पंचायत साजा के जनपद अध्यक्ष जितेन्द्र साहू को सर्व सम्मति से जिला अध्यक्ष नियुक्त किए एवं जिला उपाध्यक्ष माया हीरा बारले को नियुक्त किया गया। जितेन्द्र साहू ने इसके लिए सभी अध्यक्ष उपाध्यक्षो का आभार व्यक्त किया कहा इस नियुक्ति से निश्चित ही जनपद पंचायतों के कार्यशैली में कसावट के साथ साथ विकास के नए आयाम के लिए काम करेंगे।जितेन्द्र साहू छत्तीसगढ़ के सबसे युवा जनपद अध्यक्ष एवं अब जिला अध्यक्ष बने हैं उनके कुशल नेतृत्व एवं साफछवि जमीनी स्तर से जुड़े होने के कारण सभी लोग पसंद करते है इस नियुक्ति में प्रमुख रूप से नवागढ़ जनपद अध्यक्ष खोरबाहरा राम साहू, बेमेतरा जनपद अध्यक्ष हेमा जय दिवाकर,बेमेतरा उपाध्यक्ष मिथलेश वर्मा, नवागढ़ जनपद उपाध्यक्ष माया हीरा बारले उपस्थित रहे।

संस्कार सिटी कॉलेज ऑफएजुकेशन में हर्षोल्लास से मनाया गया शिक्षक दिवस

राजनांदगांव। शिक्षक दिवस के अवसर पर संस्कार सिटी कॉलेज आफ एजुकेशन, ठाकुरटोला, राजनांदगांव में शनिवार को भव्य आयोजन किया गया। बीएड एवं डीएलएड के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से शिक्षक दिवस को यादगार बना दिया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की पूजा-अर्चना से हुई, जिसे महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गुरप्रीत कौर छाबड़ा ने संपन्न किया। इसके पश्चात् छात्र-छात्राओं ने परंपरागत तरीके से सभी शिक्षकों का तिलक कर श्रीफल भेंट किया और उनका सम्मान किया। प्रशिक्षणार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी, जिसमें गीत, नृत्य और नाट्य रूपांतरण शामिल रहे। वहीं मनोरंजक खेलों का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं के साथ-साथ शिक्षकगण भी सहभागी बने।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्राचार्य डॉ. छाबड़ा ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि एक शिक्षक समाज का निर्माता होता है, और प्रशिक्षणार्थियों को चाहिए कि वे एक आदर्श शिक्षक बनने की दिशा में सतत प्रयासरत रहें। उन्होंने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन मूल्यों को आत्मसात करने का आह्वान भी किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त सहायक प्राध्यापक, कार्यालयीन कर्मचारी एवं सभी प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। पूरा कार्यक्रम उत्साह एवं अनुशासन के साथ संपन्न हुआ।

कल की व्यापारियों की बैठक अवैध, संचालन कमेटी किरंदुल व्यापारी कल्याण संघ

आज से पहले पूर्व कमेटी ने इन 13 वर्षों में कोई बैठक ओर सदस्यता क्यू नहीं ली

15सितंबर को चुनाव से ही होगा किरंदुल व्यापारी कल्याण संघ का गठन ङ्क संचालन कमेटी

किरंदुल (समय दर्शन)। लौह नगरी किरंदुल में व्यापारी संघ का कई वर्षों बाद चुनाव होने किरंदुल व्यापारी कल्याण संघ के चुनाव संचालन समिति ने प्रेस वार्ता बुलाकर जानकारी दी कि किरंदुल नगर में पिछले 56 वर्षों के इतिहास में व्यापारिक संघ द्वारा विधिवत मतदान प्रणाली से पदाधिकारी का चयन कभी नहीं किया गया ।जिसके कारण व्यापारियों में काफी असंतोष था नगर के कुछ चुनिंदा व्यापारी द्वारा लोगों मनोनीत किया गया था उन पदाधिकारियों की कार्य प्रणाली से हमारे किरंदुल के व्यापारी खुश नहीं थे ।जिसे देखते हुए नगर के व्यापारियों ने किरंदुल के अंबेडकर भवन में 30 अगस्त को एक विशाल आम सभा आहूत की जिसमें पूर्व की तरह मनोनीत प्रणाली को नकारते हुए किरंदुल व्यापारी संघ के तत्वाधान में दिनांक 15 सितंबर को दृवर्षीय चुनाव कराने का निर्णय लिया। संचालन समिति ने बताया कि यह दृवर्षीय चुनाव सभी व्यापारियों को जोड़कर मतदान प्रणाली के द्वारा पदाधिकारी का चयन कर एक पारदर्शी व सशक्त नेतृत्व तैयार किया जाएगा। जिसमें नगर के सभी व्यापारियों की सत प्रतिशत भागीदारी होगी। नगर में व्यापारियों द्वारा नए संघ बनाने की लोकप्रियता को देखते हुए पुराने बैलाडीला व्यापारी संघ संघ द्वारा हम पर कई बेबुनियाद एवं मिथ्या आरोप लगाया जा रहे हैं जिसे हम खंडन करते हैं। पूर्व संघ ने आरोप लगाया की किरंदुल व्यापारिक कल्याण संघ फर्जी है। जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर नहीं है हम चुनाव प्रणाली से पद अधिकारी चुन कर रजिस्ट्रेशन करवाएंगे क पहले संघ बनाया जाता है उसके पदाधिकारी की एक बॉडी गठित की जाती है उसके बाद ही रजिस्ट्रेशन नंबर मिलता है इस प्रणाली के तहत पहले हमारे द्वारा संगठन को गठित किया जाएगा उसके बाद रजिस्ट्रेशन करवाया जाएगा। 54 वर्षों के बाद 2 वर्ष पूर्व संघ का रजिस्ट्रेशन कराया है रजिस्ट्रेशन के लिए संघ के सदस्यों की बैठक होती है पदाधिकारी का चयन होता है जिसकी सूची रजिस्टार ऑफिस में प्रस्तुत की जाती है पर क्या उन्होंने कोई बैठक किया था, या चंद् लोगों द्वारा अपना नाम पदाधिकारी की सूची में लिखकर संघ का रजिस्ट्रेशन कराया गया उन पद अधिकारीओ को हम वैध नहीं मानते, उन पद अधिकारीओ की पूरे कमेटी की इसकी जानकारी आज तक किसी भी व्यापारी को नहीं है। पूर्व संघ में पारदर्शिता नाम की कोई चीज ही नहीं है। 2 वर्ष पूर्व रजिस्ट्रेशन करने के बाद भी आज तक संघ की एक भी बैठक क्यों नहीं बुलाई गई ।संघ में नए सदस्यों को क्यों नहीं जोड़ा गया ।रजिस्ट्रेशन की जानकारी व्यापारियों को क्यों नहीं दी गई थी संघ का लेखा जो अकाउंट की जानकारी आज तक किसी को कियू नहीं दी गई व्यापारी संघ में इतने वर्षों में कहा से किन कंपनियों से कितना चंदा आया है इसका हिसाब पूर्व कमेटी सार्वजनिक कियू नहीं करती है

सवाल यह उठता है कि क्या व्यापारिक संघ में मार्केट के चंद लोगों की ही है ।उसमें अन्य क्षेत्र के व्यापारियों के लिए कोई स्थान नहीं है। पूर्व संघ ने किरंदुल व्यापारी कल्याण संघ पर ठेकेदारों को सदस्य बनाने का विरोध किया। क्योंकि ठेकेदार भी कहीं ना कहीं व्यापारियों की श्रेणी में आते हैं और पूर्व में भी उनके द्वारा व्यापारिक संघ को सहयोग प्रदान किया जाता रहा है। आज ठेकेदारों को सदस्य बनाने का विरोध करने वाले पूर्व संघ के पदाधिकारी से हम पूछना चाहते हैं पूर्व व्यापारी संघ के अध्यक्ष एवं सचिव का कौन सा व्यापार है क्या वो एक ठेकेदार नहीं है। जो पिछले कई वर्षों से संघ को चला रहे हैं तथा उनके संचालन समिति में भी सभी ठेकेदार को ही जगह दी गई थी तो फिर आज इन्हें ठेकेदारों से इतनी नफरत क्यों है 15 तारीख को होने वाले किरंदुल व्यापारी संघ के चुनाव में किसी भी पद पर केवल व्यापारी ही चुनाव लड़ सकता है। जिसकी विधिवत दुकान संचालित की जा रही है।

कोई भी ठेकेदार चुनाव लड़ने की पात्रता नहीं रखता। केवल संघ की मजबूती एवं मार्गदर्शन के लिए ठेकेदार को सदस्यता प्रदान की गई है। सभी व्यापारी बंधुओ से किरंदुल व्यापारिक कल्याण संघ अपील करती है की चंद लोगों द्वारा निर्मित व्यापारी संघ के किसी भी अपवाहों में ना आए हमारे किरंदुल व्यापारी कल्याण संघ ने 390 से अधिक लोगों ने सदस्यता लिया है जिसमें मात्र 16 ही ठेकेदारों ने सदस्यता लिया है अपनी एकता का परिचय देते हुए अपने मनपसंद नेतृत्व को चुनकर 15 तारीख को अपना मतदान देकर एक पारदर्शी एवं कुशल नेतृत्व को चुने , इस पत्रकार वार्ता में संचालन कमेटी से बंटी अरोड़ा ,ओम सोनी,बिप्लव मल्लिक,राजू राव,अजय सरकार ,कुंदन सोनी,शेखसगीर,रवींद्र सोनी,आर सी नाहक,संजय सोनी,तपन दास,राजेन्द्र सक्सेना ,पंकज सिंहा मौजूद थे

इंटक की लड़ाई: हाईकोर्ट ने दिया गोपाल नारायण सिंह को झटका, सम्पत शुक्ला के पक्ष में आया फैसला

कोरबा। कांग्रेस से सम्बद्ध श्रमिक संगठन इंटक में लंबे समय से संपत शुक्ला और गोपाल नारायण सिंह के मध्य वर्चस्व की लड़ाई अदालत में लड़ी जा रही थी। संपत शुक्ला ने गोपाल नारायण सिंह के ऊपर संगठन के चंदा का दुरुपयोग करने सहित अन्य कई प्रकार के गंभीर आरोप लगाते हुए संगठन की प्राथमिक सदस्यता से उनका निष्कासन कर दिया था।

वहीं दूसरी ओर गोपाल नारायण सिंह ने भी आमसभा बुलाकर संपत शुक्ला, रमेश चंद्र मिश्रा और अब्दुल कलाम अंसारी को संगठन की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित करते हुए बाहर का रास्ता दिखाया था। इस प्रकार के सत्ता पलट होने के उपरांत केंद्रीय अध्यक्ष संपत शुक्ला को संगठन से बाहर करने का षड्यंत्र जिस प्रकार से रचा गया था यह सब देखकर संगठन के निष्ठावान कार्यकर्ता काफी आहत हुए थे। यह सब काफी समय से चला आ रहा था।

संक्षिप्त-खबर

नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध शास प्राथ शाला बोहारपार मे शिक्षक दिवस मनाया गया

बसना(समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक शाला बोहारपार में शिक्षक दिवस मनाया गया। इस दौरान सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की तैल चित्र समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

तत्पश्चात शिक्षकों का गुलाल व पुष्प गुच्छ से स्वागत कर श्री फल से सम्मान किया गया। संयुक्त रूप से छात्र छात्राओं द्वारा शिक्षकों को राधा कृष्ण की तस्वीर प्रदान किया गया। कार्यक्रम को श्रीमती तसमिता साहू प्रधान पाठक ने डॉ राधाकृष्णन के जीवन पर जन्म से लेकर राष्ट्रपति बनने तक प्रकाश डाला । सहायक शिक्षक तिलक नायक के द्वारा गुरु महिमा के संबंध मे मनमोहक ढंग से गीत प्रस्तुत किया गया ।सुरेश कुमार साहू के द्वारा गुरु दक्षिणा ,अर्जुन की एकाग्रता ,एकलव्य का अंगूठा दान ,और आरुणि के गुरु भक्ति के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम का संचालन सुरेश कुमार साहू के द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन कक्षा पांचवी की छात्रा कुमारी लक्ष्मी साव द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक , बृज साव ,सूरज कुँवर एवं ग्राम के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

स्मार्ट मीटर बना जी का जंजाल बिजली बिल हाफ योजना पुन: शुरू किया जाए- हाफिज खान

गरियाबंद (समय दर्शन)। भाजपा सरकार ने स्मार्ट मीटर, बढ़ी बिजली बिल और बिजली कटौती कर जनता को परेशान कर रही है। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष हाफिज खान व ब्लॉक कांग्रेस मीडिया प्रभारी टिकेश साहू ने कहा कि बलौदा बाजार जिला में स्मार्ट मीटर लगने के बाद 22000 रुपए बिजली का बिल आने से परेशान उपभोक्ता स्मार्ट मीटर को गले में टांग कर कलेक्टर के पास पहुंचा लेकिन वहां भी उनको कोई राहत नहीं मिला है पूरा प्रदेश में बिजली संकट बिजली कटौती बढ़ी हुई बिजली बिल और स्मार्ट मीटर आम जनता के लिए परेशानी का सबब बन गया है। जनता पहले ही महंगाई की मार झेल रहा है उस बिजली के बढ़े दाम वज्रपात कर रही है। सरकार में बैठे लोग आम जनता की समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहे मुफ्त बिजली देने का नारा लगाकर आम जनता को भ्रमित किया जा रहा है। बिजली बिल में जुड़े अनाप-शनाप सर्विस चार्ज और महंगी दर से आम जनता से वसूली की जा रही है ।कांग्रेस सरकार में छत्तीसगढ़ में बिजली बिल हाफयोजना चल रही थी जिससे आम उपभोक्ताओं को बिजली बिल में आधी राशि में छूट दी जा रही थी 23 घंटा बिजली की आपूर्ति हो रही थी बिजली कटौती बंद था भाजपा की सरकार बनते ही बिजली व्यवस्था चरमरा गई है ।बिजली बिल हाफयोजना बंद होने के कारण इस माह आम जनता को दोगुना बिजली बिल भरना पड़ेगा। जिनके घरों में ?500 बिजली का बिल आता था उन्हें अब 1000 से ?1200 देना पड़ेगा जिनके घर में ?1000 बिजली बिल आता था उन्हें 1800 से ?2000 का बिल देना पड़ेगा ।जिन्हें निशुल्क बिजली दिया जाता था उन्हें भी अब 30 यूनिट के ऊपर पूरा बिल भरना पड़ेगा किसान अलग परेशान है बिजली कटौती होने से उनके फसले खराब हो रही है ।पूर्व कांग्रेस सरकार के 5 साल में बिजली की समस्या को लेकर जनता को कभी सड़कों पर उतरना नहीं पड़ा था भाजपा सरकार के 21 महीने में ही प्रदेश के हर जिला में बिजली कटौती बिजली की महंगाई स्मार्ट मीटर की खामियों को लेकर जनता सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन कर रही है बिजली विभाग सुस्त है जनता की सुनवाई नहीं हो रही है स्मार्ट मीटर के कारण जो उटपटांग बिल आ रहे हैं उसे जनता को भरने के लिए मजबूर किया जा रहा है जनता के खिलाफकानूनी कार्यवाही की जा रही है जबकि इसके लिए जिम्मेदार बिजली विभाग है कांग्रेस पार्टी मांग करती है स्मार्ट मीटर से उत्पन्न समस्याओं के लिए शिविर लगाया जाये स्मार्ट मीटर के कारण जो बिजली की गड़बड़ियां हो रही है उसे तत्काल सुधार किया जाये और बिजली बिल हाफयोजना को पुन: शुरू किया जाए।

सांसद ज्योत्सना ने डॉ. तरूनेश को दी श्रद्धांजलि

कोरबा। कोरबा सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत ने शनिवार को स्व. तरुनेश राज के घर पहुंचकर तेरहवीं पर परिजनों से मुलाकात की और उनके निधन पर संवेदना जताई। आयुष उप संचालक 44 वर्षीय डॉ. राज का पिछले दिनों निधन हो गया था। उन्होंने कोरबा से शिक्षा, दीक्षा प्राप्त की। बीएसएनएल के पूर्व डीईटी टीआर राज के पुत्र व कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम के भतीजे दामाद स्व. डॉ. तरूनेश के निधन पर सांसद ने शोक जताया।

समय दर्शन

महासमुंद में नगर संवाददाता एवं बलौदाबाजार में जिला ब्यूरो नियुक्त करना है, इच्छुक व्यक्ति रक्षाधन सहित संपर्क करें।

सम्पर्क- 9993225894
9171038856

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव ने नगर के विभिन्न स्कूलों के माली हालत का जायजा लिया

आवश्यक निर्माण एवं संसाधन उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया

दुर्ग (समय दर्शन)। प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने आज नगर के जेआरडी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, चंद्रशेखर आजाद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नयापारा और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बघेरा का निरीक्षण किया। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि और नागरिकगण भी साथ मौजूद थे। उन्होंने विद्यालयों के शिक्षकगण एवं विभागीय अधिकारियों से चर्चा कर विद्यालयों में संसाधनों की उपलब्धता, भवन संधारण एवं शैक्षणिक वातावरण को और सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है, ताकि विद्यार्थियों का भविष्य सशक्त और उज्जवल हो सके। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और संस्था प्रमुखों को जेआरडी विद्यालय में आडिटोरियम एवं बालक-बालिका

शौचालय तथा बॉक्सिंग रिंग के शेड की मरम्मत कराने, चंद्रशेखर आजाद विद्यालय में तीन अतिरिक्त कक्ष एवं मंच पर शेड लगवाने, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बघेरा में प्राथमिक शाला भवन को 6 अतिरिक्त कक्ष एवं बालक-बालिका शौचालय निर्माण कराने का भरोसा दिलाया इस अवसर पर पार्षद गुलाब वर्मा, लीलाधर पाल, मनीष साहू, कुलेश्वर साहू, काशीराम कोसरे, कमल देवांगन, नरेन्द्र बंजारे, संजय अग्रवाल, ललित ढीमर, रामचन्द्र सेन, गोविंद देवांगन, मनीष कोठारी, सरस निर्मलकर, महेंद्र लोढ़ा, कमलेश फेकर, सहायक संचालक शिक्षा अमित घोष, एपीसी विवेक शर्मा, राजेश ओझा, स्कूल के प्राचार्य, शिक्षकगण और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

जिला बेमेतरा में आर्द्रभूमि सीमांकन कार्य जारी, 30 प्रतिशत कार्य पूरा

बेमेतरा (समय दर्शन)। जिला स्तरीय आर्द्रभूमि सीमा निर्धारण (सीमांकन) कार्य लगातार प्रगति पर है। हाल ही में कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा की उपस्थिति में जिला पंचायत सभाकक्ष में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें आर्द्रभूमि सीमांकन हेतु मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) पर विस्तृत जानकारी दी गई थी। इस अवसर पर एडीएम अनिल वाजपेयी, एसडीएम प्रकाश भारद्वाज, एसडीएम बेरला दीप्ती वर्मा, एसडीएम साजा पिंकी मनहर, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, वन विभाग के अधिकारी और सभी हल्का पटवारी-राजस्व निरीक्षक शामिल हुए थे। प्रशिक्षण उपरांत जिले में स्थल स्तरीय इकाइयों का गठन कर आर्द्रभूमियों के सर्वेक्षण और सीमांकन कार्य को प्रारंभ कर दिया गया है। इसी क्रम में आज जिला बेमेतरा के नगरपालिका क्षेत्र स्थित वेटलैंड आईडी ष्ट्र 001878 बेमेतरा तथा अन्य 6 आर्द्रभूमियों का सर्वेक्षण कार्य किया गया। यह सर्वेक्षण एसएलयू स्थल स्तरीय इकाई के सदस्यों सर्वेयर शेख साजिद मोहम्मद, पटवारी विजेंद्र वर्मा एवं राजस्व निरीक्षक प्रेम प्रकाश तिवारी के द्वारा संपन्न हुआ। आर्द्रभूमियों का सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। मौके पर जीपीएस सर्वेक्षण, नक्शा तैयार करने एवं रिपोर्ट संकलन का काम किया गया। आने वाले दिनों में शेष आर्द्रभूमियों का सर्वेक्षण तेजी से किया जाएगा। कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा ने निर्देश दिए हैं कि आर्द्रभूमि सीमांकन से जुड़े नक्शे और रिपोर्ट उच्च गुणवत्ता एवं सटीकता के साथ तैयार हों। समय-समय पर समिति की बैठकें आयोजित कर प्रगति की समीक्षा की जाएगी। श्री शर्मा ने कहा कि आर्द्रभूमि संरक्षण न केवल पर्यावरणीय दृष्टि से बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के लिए भी महत्वपूर्ण है, इसलिए कार्य को पारदर्शिता और समयबद्धता से पूरा किया जाए।

प्रभु की वाटिका में जब न्याय बर्खास्त तो हो गया, बैनेट को हमारी श्रद्धांजलि

बिलासपुर (समय दर्शन)। बिलासपुर के नागरिक इस समय तीन तरीकों से लूटे जा रहे हैं। जहां पर ट्रैफिक सिग्नल लगा है और ट्रैफिक 100 सेकंड से ज्यादा के लिए ठहरता है।

पहली वसूली ट्रैफिक पुलिस के द्वारा की जाती है। जिसे हम चालानी कार्यवाही कहते हैं, और समय-समय पर यातायात पुलिस वसूली के आंकड़े को खुद ही प्रसारित करती है। दूसरी वसूली कार का कांच पूछने वाली दूध पीने वाले बच्चों को अपने छाती से लगाए महिलाओं द्वारा की जाती है। इसमें झंडा बेचने वाले, कलम

बेचने वाले सब शामिल हैं ये सुचारू यातायात में बांधा ही बनते हैं। अधिकतर ये घुमंतू है और समूह में आते हैं। मध्य प्रदेश के इंदौर में तो चौराहा या कहीं भी भीख मांगने को अपराध घोषित किया है और हमारे यहां सूचनात्मक कार्यवाही भी नहीं होती। छद्म भिखारी हर चौराहे पर देखे जा सकते हैं। तीसरी लूट के तीन चौराहे फिक्स हैं और यह लूट किन्नरों द्वारा की जा रही है। अग्रसेन चौक, सत्यम चौक के दोनों चौराहे से यातायात पुलिस और सिविल लाईन थाने की दूरी चंद कदमों की है। नेहरू चौक एसडीएम कार्यालय के ठीक के सामने इस प्रथम श्रेणी दंडाधिकारी भी कहा जाता है और साहब अपने कार पर तख्ती लगाकर घूमते हैं। उनकी नाक के सामने किन्नर, फर्जी किन्नर दिन भर लूटते हैं। मंगला चौक, मंदिर चौक आदि चौराहों पर कीनन की लूट कभी भी देखी जा सकती है। क्या ऐसे छोटे-छोटे समस्याओं में भी प्रशासन तभी कार्यवाही करेगा जब माननीय उच्च न्यायालय स्वत: संज्ञान ले लेगा।

बंसुला विद्यालय में शिक्षक दिवस का हुआ आयोजन

बसना(समय दर्शन)। भारत के पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली डाक्टर राधाकृष्णन की जयंती को प्राथमिक एवम् पूर्व माध्यमिक शाला बंसुला में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया गया। सर्वप्रथम सभी अतिथियों के द्वारा राधाकृष्णन जी की प्रतिमा पर पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके पश्चात विद्यालयीनी छात्र छात्रों ने शिक्षको का सम्मान तिलक लगाकर एवं उपहार भेंट कर किया गया।

इस अवसर पर शिक्षक राजेश भोई , अनिता साहू, सीता साहू, पुष्पांजलि बगरती, मंदाकिनी प्रधान सभी शिक्षको ने गुरु की महता के बारे मे प्रकाश डाला । कार्यक्रम का सफल संचालन प्रवीर कुमार बेहेरा ने किया तथा आभार प्रदर्शन पूर्व माध्यमिक शाला बंसूला के प्रधान पाठक दिनेश डड़सेना के द्वारा किया गया।

शिक्षकों की पीड़ा और मांगों को लेकर छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने सौंपा 11 सूत्रीय मांग पत्र

20 वर्ष सेवा के बाद भी नियमितीकरण से वंचित शिक्षक, असुरक्षा और उपेक्षा में गुज़ार रहे जिंदगी

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के शिक्षकों की वर्षों से लंबित समस्याओं और उनकी पीड़ा को सामने रखते हुए छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री माननीय गजेंद्र यादव जी को 11 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा है। संघ ने स्पष्ट कहा है कि शिक्षक समाज प्रदेश की रीढ़ है, लेकिन आज वही रीढ़ असुरक्षा और उपेक्षा के दर्द से गुजर रही है।

संघ के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा ने कहा कि वर्ष 2018 और 2028 से पूर्व भर्ती शिक्षकों का नियमितीकरण अब तक नहीं हुआ है। सेवा में वर्षों गुजार चुके शिक्षक आज भी अस्थायी की तरह काम कर रहे हैं, जो उनके आत्मसम्मान और भविष्य दोनों के साथ अन्याय है। साथ ही, 20 वर्ष सेवा पूर्ण कर चुके शिक्षकों को समयमान वेतनमान और एसीपी का लाभ नहीं मिलना उनकी मेहनत और समर्पण के साथ नाइंसाफी है।

उन्होंने कहा कि न्यायालय द्वारा कई अवसरों पर शिक्षकों के पक्ष में आदेश दिए जाने के बावजूद शासन स्तर पर उनका क्रियान्वयन नहीं हो रहा है। न्यायालयीन आदेशों की अनदेखी से शिक्षकों में गहरी नाराज़गी और अविश्वास का भाव है।

संघ ने मांग की है कि रिक्त पदों पर शीघ्र पदोन्नति दी जाए, प्रयोगशाला, पीटी, कला, संगीत और अन्य विषयों के शिक्षकों की भर्ती सुनिश्चित की जाए, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। इसके अलावा ज़ेड वर्ग के शिक्षकों को भी न्यायालयीन आदेशानुसार सेवा लाभ दिए जाएं।

प्रदेशाध्यक्ष ने यह भी कहा कि विद्यालयों में अतिरिक्त कार्यरत शिक्षकों का उचित समायोजन किया जाए और शिक्षकों के जीपीएफ जमा राशि, एचआर से जुड़े प्रावधान एवं अन्य वित्तीय लाभ समय पर उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि शनिवार को विद्यालयों का संचालन केवल सुबह तक रखा जाए, ताकि शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों को राहत मिल सके और शिक्षा की गुणवत्ता पर भी सकारात्मक असर पड़े।

संघ का कहना है कि शिक्षक वह वर्ग है, जो समाज की नींव तैयार करता है। लेकिन आज वही वर्ग अपमान, असुरक्षा और अव्यवस्था का सामना कर रहा है। 15-20 साल तक सेवा देने के बाद भी जब शिक्षक अस्थायी कहलाते हैं तो यह स्थिति केवल उनके लिए ही नहीं बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है।

संघ ने शासन से इन मांगों पर सकारात्मक पहल हेतु आवश्यक निर्णय का आग्रह किया है । संघ ने शिक्षा मंत्री से भावनात्मक अपील की है कि इन मांगों को केवल कागज़ी कार्रवाई न समझकर शिक्षकों की वास्तविक पीड़ा मानते हुए त्वरित निर्णय लें, ताकि शिक्षक सम्मान के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें और विद्यार्थियों का भविष्य सुरक्षित हो सके।

मिन्ट के बाद अब योएक्स (yoex) भी भागा

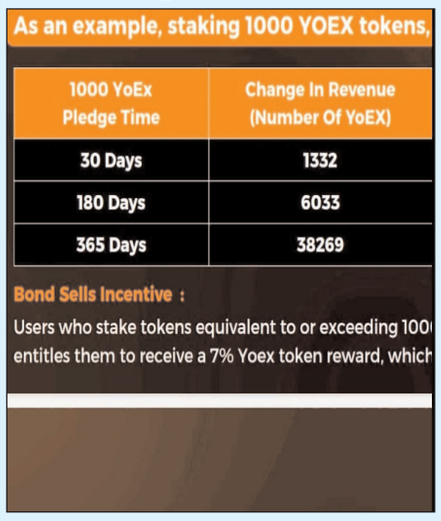

बिलासपुर (समय दर्शन)। योएक्स बिजनेस प्रेजेंटेशन नाम की कंपनी तो 4 महीने में ही भाग गई। समझ के पार है कि मध्यमवर्गी लालच परिवारों को बर्बाद कर रहे हैं। ?1000 लगाये और 30 दिन में 1332 रुपए हो जाएगा। 180 दिन में 6033, 365 दिन में 38269 क्या लुभावना आंकड़ा है।

लोगों ने अपने बच्चों की फीस, दवा का पैसा यहां तक की कर्ज लेकर योक्स में लगा दिया और 1 साल में ?1000 का ?38269 बना कर देने वाली कंपनी 120 दिन में ही भाग गई। जिन्होंने पैसा लगवाया था जो दो हाथ की आठ उंगली में सोने की मोटी अंगूठी, सफारी, ब्लेजर आई कार्ड का दिखावा करके टेबल ठोक ठोक कर परिवारों की जिंदगी बदलने का दावा करते थे। अब योएक्स की साइड बंद होने के बाद शहर से ही भाग गए हैं। सबसे बड़ी बात निवेदक कानूनन अपराधी है क्योंकि उसने गैर कानूनी तरीके से डॉलर खरीदा और डॉलर को योएक्स में इनवेस्ट किया। भारत जैसे देश यहां म्युचुअल फंड भी वादे के अनुरूप रिटर्न नहीं देता 22 से 24 के बीच एक करोड़ से ज्यादा रिटेल सटोरियों को 93त्न का घाटा हुआ है और हर औसत ट्रेडर को ?200000 का घाटा हुआ है। ऐसे में 30 दिन में 1000 का 1332 और 365 दिन में 38269 करने वाली कंपनी पैसा एकत्र करके भागने के लिए ही आती है। 4 महीने में बिलासपुर का लगभग 20 से 40 करोड़ गायब हो गया यह कम अभी जारी रहेगा।

गुरु दीपस्तंभ के ज्ञान व मार्गदर्शन से तय होती है जीवन की दिशा- भावना बोहरा

पंडरिया विधायक भावना ने किया प्राचार्य व शिक्षकों का सम्मान

कवर्धा (समय दर्शन)। महान शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती और उनकी स्मृति में राष्ट्रीय शिक्षक दिवस पर पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय उड़ियाकला में पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा आयोजित शिक्षक अभिनंदन समारोह में पंडरिया विधानसभा के सभी शासकीय प्राथमिक, माध्यमिक व उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में पदस्थ प्रत्येक प्राचार्यों एवं शिक्षकों को उनके नि:स्वार्थ सेवाभाव, समर्पण एवं एक शिक्षित व सभ्य समाज के निर्माण में अतुलनीय भूमिका निभाने हेतु उनका अभिनंदन किया गया।

इस दौरान विधायक भावना बोहरा ने पंडरिया विधानसभा के उत्कृष्ट कार्य करने वाले 20 शिक्षकों सहित 1500 से अधिक प्राचार्य एवं शिक्षकों को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका विशेष अभिनंदन किया। उत्कृष्ट कार्य व विशेष योगदान के लिए शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह से विधायक भावना बोहरा ने शिक्षकों का सम्मान किया और सभी बच्चों को संबोधित कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में लगभग 2000 से अधिक पंडरिया विधानसभा के समस्त शासकीय शिक्षक, प्राचार्य, छात्र-छात्राएं उनके अभिभावक एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि भारतीय संस्कृति एवं वेदांत दर्शन को वैश्विक पटल पर प्रतिष्ठित कर 'आधुनिक भारत-शिक्षित भारत' के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका अतुलनीय है। गुरुजनों की शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं होती, बल्कि वे चरित्र तथा राष्ट्र निर्माण और समाज में नई चेतना जगाने का कार्य करते हैं। गुरु ही वे दीपस्तंभ हैं, जिनके ज्ञान, मार्गदर्शन और मूल्यों से जीवन की दिशा तय होती है। सनातन संस्कृति और हमारे शास्त्रों में शिक्षकों को भगवान की संज्ञा दी गई है। शिक्षकों को भगवान ब्रम्हा, विष्णु, महेश के रूप में बताया गया है और उनका सम्मान करना हम सभी का कर्तव्य भी है। हमारे शिक्षक निस्वार्थ भाव से समाज को एक नई दिशा देने के साथ ही हमारे आने वाली पीढ़ियों और देश के उज्वल भविष्य की नींव को मजबूत बनाते हैं। एक शिक्षक के लिए गर्व का समय तब होता है जब उनका शिष्य उनसे भी आगे निकल जाता है, इसमें उन्हें निराशा नहीं बल्कि गर्व होता है और यही एक अच्छे गुरु या शिक्षक की पहचान होती है।

मैं भारत के महान दार्शनिक, शिक्षाविद् और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी को भी उनकी जयंती पर नमन करती हूं। आज का यह विशेष कार्यक्रम उनकी स्मृति और हमारे जीवन को ज्ञान, नैतिकता और प्रेरणा से रोशन करने वाले आप सभी शिक्षकों के प्रति समर्पित है। हमारा पंडरिया विधानसभा अपनी सांस्कृतिक धरोहर और सामाजिक एकता के लिए जाना जाता है। यहाँ के शिक्षक हमारे समाज की रीढ़ हैं। वे न केवल बच्चों को किताबी ज्ञान देते हैं, बल्कि उन्हें जीवन के मूल्यों, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी का पाठ भी पढ़ाते हैं। पंडरिया के ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में हमारे शिक्षक, बच्चों के भविष्य को संवारने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के कुशल नेतृत्व में डबल इंजन भाजपा सरकार निरंतर स्कूलों के उन्नयन, शिक्षकों व

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्पलेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26